राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 12 जून 2025 वर्ष-8,अंक-113 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी-7 की यात्रा के दौरान साइप्रस में रुकेगें पीएम मोदी, तुर्की को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान संघर्ष के दौरान जब आमने सामने थे, तब तुर्की खुलकर पाकिस्तान और आंतकियों का साथ दे रहा था। जिसके बाद एहसानफरामोश तुर्किए को लेकर भारत में काफी रोष देखने को मिला। देश के अलग अलग राज्यों में व्यापारियों ने तुर्की का विरोध करने का फैसला किया। कई भारतीयों ने तुर्किए जाने के अपने फैसले को कैंसिल कर बॉयकाट का ऐलान किया। हालांकि बॉयकाट कोई सरकार की तरफ से नहीं बल्कि लोगों की व्यक्तिगत इच्छा से हुआ था। लेकिन अब भारत ने अपने अंदाज में अहसानफरामोश तुर्किए को जवाब देने का सोचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा के निमंत्रण पर जी7 सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं।

दरअसल, कनाडा के खालिस्तानी पहले से ही पीएम मोदी की यात्रा को लेकर हैरान-परेशान हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा जाते वक्त पीएम मोदी का विमान तेल रिफ्यूलिंग के लिए एक छोटे से देश साइप्रस में रुकेगा। पीएम मोदी का विमान रिफ्यूलिंग के लिए कहीं और भी रुक सकता था। लेकिन इस बार बड़ी रणनीति के तहत सायप्रस को चुनाव हुआ है। पीएम मोदी का विमान जैसे ही सायप्रस उतरेगा, तब तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान पागल हो जाएंगे। भारत का ये कदम खास तौर से तुर्किये को ध्यान में रखकर लिया गया है। साइप्रस, जिसे आधिकारिक तौर पर साइप्रस गणराज्य कहा जाता है, पूर्वी भूमध्य सागर में स्थित एक द्वीप देश है। यह ग्रीस के पूर्व में और तुर्की के दक्षिण में मौजूद है। 1821 में ग्रीस को ओटोमन्स से आजादी मिलने तक ग्रीक और तुर्की साइप्रस अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण तरीके से रहते थे। 1974 को ग्रीस के समर्थन से सैन्य तख्तापलट हुआ। इसके जवाब में तुर्की की सेना ने साइप्रस पर हमला कर दिया। तुर्की सेना 20 जुलाई को साइप्रस में उतरी और युद्ध विराम घोषित होने से पहले द्वीप के 3 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर सकी। तुर्की सेना ने अगस्त 1974 में अपने मूल समुद्र तट का विस्तार किया, जिसके परिणामस्वरूप द्वीप के करीब 36 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा किया। तुर्की के कब्जे के बाद से ही साइप्रस दो हिस्सों में बंट गया। अगस्त 1974 से युद्ध विराम रेखा साइप्रस में संयुक्त राष्ट्र बफर ज़ोन बन गई और आमतौर पर ग्रीन लाइन के रूप में जाना जाता है। स्वाभाविक रूप से, तुर्की के साथ संप्रभुता, समुद्री सीमा और अन्य मुद्दों पर उनके बड़े मतभेद हैं। तुर्की जहां पाकिस्तान के साथ खड़ा रहता है, वहीं भारत ने साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया है। साइप्रस आतंकवाद और कश्मीर के मुद्दे पर हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है।

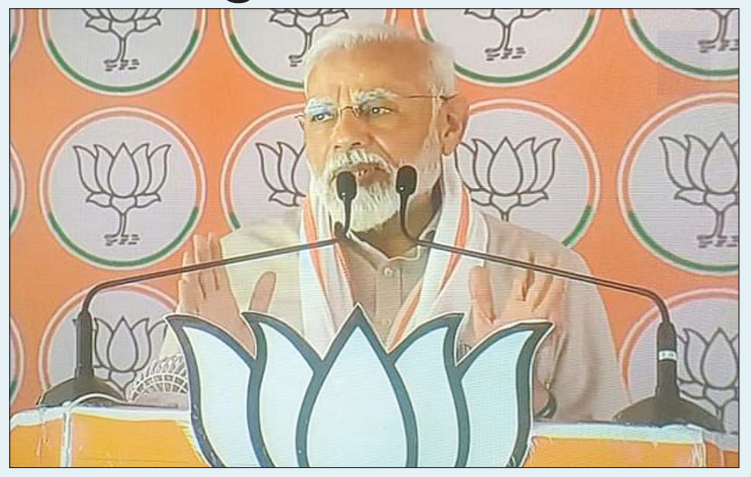

पीएम मोदी से मुलाकात से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य, कोविड सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोविड-19 के मामले एक बार फिर बढ़ते देखे जा रहे हैं, और इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने से पहले सभी मंत्रियों और पदाधिकारियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यह फैसला कोविड संक्रमण की संभावनाओं को कम करने और एहतियात के तौर पर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर होने वाली किसी भी मुलाकात या बैठक से पहले सभी प्रतिभागियों को कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। यह निर्देश विशेष रूप से उस संदर्भ में सामने आया है जब हाल ही में विदेश से लौटे एक डेलिगेशन ने पीएम से मुलाकात की थी, और उसके सभी सदस्यों के लिए भी कोविड टेस्ट जरूरी किया गया था। जानकारी के मुताबिक, आज बुधवार को दिल्ली में बीजेपी के सांसद, विधायक और प्रमुख पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक होगी, जिसमें कोविड एहतियात के तहत बैठक में शामिल होने वाले हर व्यक्ति को कोविड टेस्ट कराना होगा और रिपोर्ट बैठक से पहले जमा करनी होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की सावधानियां ज़रूरी हैं, खासकर जब दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में केस दोबारा बढ़ने लगे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत, संवेदनशील इलाकों और उच्चस्तरीय बैठकों में कोविड से जुड़ी एहतियातों को फिर से सख्ती से लागू किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि यह कदम अस्थायी है लेकिन यदि मामलों में और वृद्धि देखी गई तो अन्य संवेदनशील कार्यक्रमों और मंत्रालयों में भी यही नियम लागू किए जा सकते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले अन्य लोगों को भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राज्यों को अलर्ट रहने के निर्देश दे चुका है।

खेत में मिली बम जैसी वस्तु

पठानकोट (एजेंसी)। पठानकोट के मलिकपुर गांव में एक खाली प्लॉट में बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने से क्षेत्र में तनाव फैल गया। प्लॉट के मालिक सुरजीत ने सब्जियों को पानी देने के दौरान इस वस्तु को देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया है। बम निरोधक दस्ते की मदद से संदिग्ध वस्तु की जांच की जा रही है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। यह घटना हाल ही में हुए भारत-पाक तनाव के बाद सामने आई है। इससे पहले पाकिस्तान की ओर से की गई ड्रोन हमलों की कोशिशों को भारतीय सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया था। कई स्थानों पर इन हमलों में इस्तेमाल किए गए बमों के अवशेष मिले थे।

मैं 65 सालों से राजनीति में हूं...लेकिन इतना झूठ बोलने वाला पीएम नहीं देखा

-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पीएम मोदी पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि मैं पिछले 65 सालों से राजनीति में हूं, लेकिन मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा। उन्होंने कभी अपनी गलती नहीं मानी और इस बात के लिए माफी नहीं मांगी कि मैंने इतना झूठ बोला। पीएम मोदी पर वार कर खड़गे ने कहा कि उन्होंने पिछली सरकार (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल परियोजना में) के योगदान के बारे में कुछ नहीं कहा। जब मैं रेल मंत्री था, तब मैंने वहां और पूर्वोत्तर को सबसे ज्यादा फंड दिया। पिछली सरकार ने जो कुछ भी किया, उन्होंने (पीएम मोदी) सरकार ने आगे बढ़ाया और उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मोदी हमेशा लोकतंत्र-लोकतंत्र कहते हैं। आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री ने उपसभापति का पद खाली नहीं रखा, लेकिन उन्होंने उस पद को खाली रखा है... मोदी का यह कृत्य गैरकानूनी है। इसीलिए मैंने उन्हें लिखा है कि संविधान के अनुसार यह दिया जाना चाहिए, लेकिन आपने नहीं दिया। उन्हें पता होना चाहिए कि देश में सरकार संविधान के तहत चलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर बात पर झूठ बोलते हैं और जो कहते हैं, लागू नहीं करते और जब पीएम मोदी से पूछा जाता है, तब उनके पास इसका कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने कहा, चाहे नोटबंदी हो या रोजगार सृजन या एमएसपी, ऐसी कई चीजें हैं। उन्होंने कभी स्वीकार नहीं किया कि उन्होंने लोगों से झूठ बोला है और गलती की है और इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी।

लिक्विड ऑक्सीजन में लीक, फिर टली शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन,(आईएसएस) के लिए उड़ान एक बार फिर स्थगित कर दी गई है। इसकी मूल वजह ये है कि मिशन को अंजाम देने वाली कंपनी स्पेस एक्स ने कहा है कि लॉन्च से पहले किए गए पोस्ट-स्टैटिक फायर बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन में लीक पाया गया, जिस वजह से यह निर्णय लिया गया है। स्पेसएक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, हम सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकते। बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन का रिसाव पाया गया, इसलिए लॉन्च को अगली तिथि तक स्थगित किया गया है। इसरो, एक्सीओम और स्पेस एक्स के एक्सपर्ट के बीच काफी बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि लीक को ठीक किया जाएगा और दोबारा परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ही लॉन्च के लिए हरी झंडी दी जाएगी। इस कारण 11 जून 2025 को प्रस्तावित एक्सीओम-04 मिशन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। एक्सीओम-4 मिशन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय नागरिक होंगे जो एक निजी अंतरिक्ष मिशन के तहत आईएसएस तक पहुंचेंगे। इससे पहले कई बार यह मिशन तकनीकी कारणों से टल चुका है। अब भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की नजरें इस पर टिकी हैं कि यह ऐतिहासिक उड़ान कब दोबारा निर्धारित होगी।

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4त्न की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं... यह 29 प्रमुख पुलों वाली एक जटिल परियोजना है... इससे लगभग 13 लाख की आबादी को लाभ होगा... यह लगभग 19 मिलियन टन अतिरिक्त माल की ढुलाई की सुविधा प्रदान कर सकती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए अभूतपूर्व रूप से मददगार होगी। यह 101 करोड़ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकेगा, जो चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इससे हमें देश के 20 करोड़ लीटर डीजल को सालाना बचाने में भी मदद मिलेगी... यह परियोजना कर्नाटक-आंध्र प्रदेश की सीमा पर बल्लारी क्षेत्र में है। रेलवे लाइन की बढ़ी हुई क्षमता परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो स्थानीय लोगों को व्यापक विकास के जरिये 'आत्मनिर्भर' बनाएगी और उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रेल मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं बहु-आयामी संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क सुविधा मिलेगी। मंत्रालय ने कहा, ''झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों के सात जिलों को समाहित करने वाली दो परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।'' मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं देश की लॉजिस्टिक लागत को कम करने, तेल आयात में 52 करोड़ लीटर की कमी लाने और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में 264 करोड़ किलोग्राम की कटौती करने में मदद करेंगी, जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा संपन्न, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया बाबा बर्फानी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ,(ईएमएस)। श्री अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों की आधिकारिक शुरुआत पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' के साथ हो गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देशवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रथम पूजा हर साल अमरनाथ यात्रा के आरंभ से पूर्व की जाती है और इसे यात्रा की पारंपरिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। उपराज्यपाल ने इस अवसर पर कहा, हर हर महादेव! बाबा बर्फानी से प्रार्थना की है कि वे हम सभी पर कृपा बनाए रखें। उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं से अपील की कि 3 जुलाई से शुरू हो रही इस पवित्र यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लें। साथ ही तीर्थयात्रा को न केवल धार्मिक बल्कि जम्मू-कश्मीर और पूरे देश की शांति और विकास के लिए एक सामूहिक साधना बताया।

एलजी सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, प्रशासन, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सभी एजेंसियों की तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को लेकर भी व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती पहले से ही बढ़ा दी गई है ताकि लाखों तीर्थयात्रियों को हर संभव सुरक्षा दी जा सके। बता दें कि श्री अमरनाथ यात्रा हर वर्ष श्रद्धालुओं के लिए गहन आस्था और धार्मिक ऊर्जा का केंद्र होती है, जो दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा तक कठिन ट्रेक मार्गों के जरिये पहुंचती है।

मोहलत खत्म होते ही बुलडोजर ऐक्शन का आगाज, दिल्ली में तोड़े जा रहे हैं 1200 घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के कालकाजी स्थित करीब 12 सौ घरों को जमींदोज करने की शुरुआत हो गई है। इससे पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने लिखा, 'सुबह-सुबह 5 बजे से भूमिहीन कैम्प में भाजपा का बुलडोज़र चलना शुरू हो गया। सीएम रेखा गुप्ता जी आपने तो 3 दिन पहले कहा था कि एक भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा। तो फिर भूमिहीन कैम्प पर बुलडोज़र क्यों चल रहा है?' दिल्ली के कालकाजी इलाके में मौजूद भूमिहीन कैंप में बड़ी संख्या में झुग्गियां हैं। यहां बहुत सी झुग्गियों को डीडीए की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाया गया है। हाई कोर्ट ने इन्हें तोड़ने की मंजूरी दी थी, जिसके बाद डीडीए की ओर से नोटिस चस्पा किया गया था। नोटिस में कहा गया था कि 10 जून तक झुग्गियों को खाली कर दिया जाए, इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू होगा।दिल्ली के कालकाजी में नोटिस की मियाद खत्म होने के बाद बुधवार सुबह-सुबह बुलडोजर ऐक्शन का आगाज हो गया। हाई कोर्ट से मिली मंजूरी के बाद कालकाजी भूमिहीन कैंप की झुग्गी बस्ती में 1200 घरों को तोड़ा जा रहा है। विरोध की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बलों के जवान भी मौजूद हैं। डीडीए की ओर से यहां तीन दिनों के भीतर झुग्गी खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया था। बुलडोजर ऐक्शन को लेकर नोटिस चिपकाए जाने के बाद यहां राजनीति तेज हो गई थी। एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यहां विरोध प्रदर्शन किया था। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को यहां हिरासत में ले लिया गया था। बुलडोजर ऐक्शन की शुरुआत के बाद आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को याद दिलाया कि उन्होंने कहा था कि मकान दिए बिना झुग्गियों को नहीं तोड़ा जाएगा।

सबूत देख टूट गई सोनम, रोते-रोते एसआईटी की पूछताछ में कुबूला हां, मैं पति राजा के मर्डर की साजिश में शामिल थी...

शिलांग/इंदौर (एजेंसी)। मेघालय के राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाह का आमना-सामना करवाया, जिसके बाद सोनम टूट गई और उसने अपने पति राजा की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने पुख्ता सबूतों के साथ दोनों को आमने-सामने बिठाया, जिसके बाद सोनम के पास छिपाने को कुछ नहीं बचा।

मेघालय पुलिस के ऑपरेशन हनीमून के तहत 23 मई को शिलांग के सोहरा में हुई राजा रघुवंशी की हत्या की जांच में बड़ा खुलासा हुआ। पुलिस ने सोनम और राज कुशवाहा को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की। 42 सीसीटीवी फुटेज, खून से सनी जैकेट, सोनम का रेनकोट, और अन्य सबूतों को सामने रखा गया। सबूतों के दबाव में सोनम टूट गई और उसने कबूल किया कि उसने राज कुशवाह और तीन सुपारी किलर्स आकाश राजपूत, विशाल उर्फ विक्की ठाकुर, और आनंद कुर्मी के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची।

पुलिस जांच में पता चला कि सोनम ने हनीमून के बहाने राजा को सोहरा के सुनसान इलाके में ले जाकर हत्यारों को उसकी लोकेशन भेजी। उसने अपनी सास को झूठ बोला कि वह अपरा एकादशी का व्रत रख रही है, जबकि होटल रिकॉर्ड से पता चला कि उसने खाना खाया था। हत्या के बाद सोनम ने राजा के सोशल मीडिया अकाउंट से सात जन्मों का साथ है पोस्ट कर जांच को भटकाने की कोशिश की। पुलिस को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पास से हत्या में इस्तेमाल हथियार भी मिला।

मेघालय पुलिस ने सोनम, राज कुशवाह और तीनों हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है। सोनम ने 9 जून को गाजीपुर में सरेंडर किया था। पुलिस के मुताबिक, सोनम का मकसद राजा को रास्ते से हटाकर राज कुशवाह के साथ नई जिंदगी शुरू करना था।

राजा के भाई सचिन और पिता अशोक रघुवंशी ने सोनम के लिए फांसी की सजा और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार की मांग की है। सोनम के भाई गोविंद ने भी हत्यारों के लिए फांसी की मांग की, लेकिन दावा किया कि उसे साजिश की जानकारी नहीं थी।

24-घंटे पहले पता चलेगा वेटिंग टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स के लिए नए नियम लेकर आई है। अब यात्रियों को सीट कन्फर्म हुई या नहीं इसकी जानकारी ट्रेन निकलने के एक दिन पहले पता चल जाएगी। रेलवे ने अब चार्ट बनाने का समय ट्रेन के चलने से 24 घंटे पहले कर दिया है। अभी सिर्फ 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनाया जाता था। ऐसे में वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक कंफर्मेशन का इंतजार करना पड़ता था। यह नियम 6 जून से बीकानेर डिवीजन में लागू किया गया है। धीरे-धीरे इसे देशभर के अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा।

तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू नहीं होगा ये नियम

रेलवे ने यह भी कहा कि नए नियम से तत्काल टिकट बुकिंग या अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। तत्काल टिकट यात्रा से एक दिन पहले बुक किए जाएंगे और उनकी कंफर्मेशन प्रक्रिया पहले के जैसे ही रहेगी।

वेटिंग टिकट पर स्लीपर-एसी में सफर नहीं

इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर एसी या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा।

यूपीआई पेमेंट पर दुकानदारों से चार्ज वसूल सकती है सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार दुकानदारों यानी मर्चेंट से 3,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगा सकती है। इसके लिए 0.3 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट दोबारा लागू किए जा सकते हैं। यानी आप 3,000 रुपए से ज्यादा का यूपीआइ पेमेंट करते हैं, तो दुकानदार को बैंक को 9 रुपए तक फीस देनी होगी।

नए नियम बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑपरेशनल खर्चों को देखते हुए लाए जा सकता है। 2 महीने के भीतर नए नियम लागू किए जा सकते हैं। हाल ही में लोकनिर्माण, वित्त मंत्रालय और अन्य विभागों की बैठक हुई है। सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद ही पॉलिसी लागू होगी।

कैसे लगेगा चार्ज

जब आप किसी दुकान, मॉल, पेट्रोल पंप या ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर यूपीआई से 3,000 रुपए से ज्यादा का पेमेंट करेंगे, तो बैंक या पेमेंट कंपनी उस व्यापारी से फीस वसूलेंगे। आम ग्राहक को सीधे कोई चार्ज नहीं देना है। लेकिन कुछ दुकानदार यह चार्ज ग्राहक से भी वसूल सकते हैं। छोटे ट्रांजैक्शन (3,000 रुपए तक) और छोटे दुकानदारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, वह पहले की तरह फ्री रहेंगे।

एक महीने में 4 प्रतिशत बढ़े यूपीआई ट्रांजैक्शन

मई 2025 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए 18,67 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान इस दौरान कुल 25.14 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में एक महीने में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले पेमेंट कार्उंसिल ऑफ इंडिया ने प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा था। लेटर में पीएम मोदी से जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। कार्उंसिल, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस और रुपे डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर 0.3 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के पक्ष में है। अभी इन पेमेंट मेथड्स पर कोई मर्चेंट डिस्काउंट रेट नहीं लगाया जाता है, क्योंकि इन्हें नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया फैसिलिटी प्रोवाइड करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

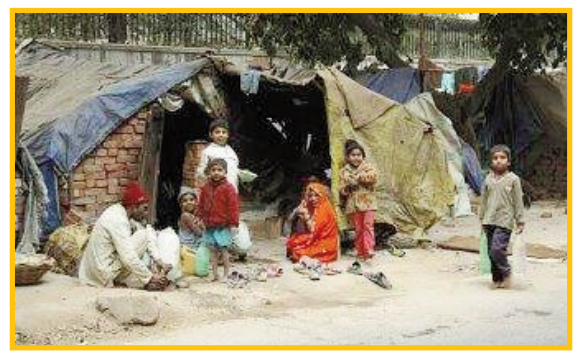

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेवफाई के सनम

इसमें दो राय नहीं कि देश के पहाड़ी राज्यों के लिये पर्यटन उद्योग अब अर्थव्यवस्था को गति देने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। कह सकते हैं तमाम पारिस्थितिकीय चुनौतियों के चलते एक मजबूरी भी बन गया है। लेकिन इसमें दो राय नहीं है कि राजस्व सृजन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिये, राज्य सरकारें एक कठिन राह पर चलना सीख रही हैं। दरअसल, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों में यह चुनौती ज्यादा बड़ी है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश के संवेदनशील स्पीति के इलाके में प्रदेश के वन विभाग ने आने वाले पर्यटकों के लिए दैनिक आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क आरंभ करने का निर्णय किया है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार की इस अभिनव पहल का स्वागत ही किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस फैसले के बाद अब बिना किसी प्रवेश शुल्क के इन इलाकों में पहुंचना अतीत की बात हो जाएगी। इतना ही नहीं शूटिंग के लिये, मसलन वृत्तचित्र, फीचर फिल्मों व विज्ञापन आदि के साथ ही टेंट लगाने जैसी गतिविधियों के लिये भी शुल्क संरचना तैयार की गई है। यह एक हकीकत है कि पर्यटकों का अराजक व्यवहार वातावरण में न केवल पर्यावरणीय प्रदूषण फैलाता है बल्कि ठोस कचरा भी छोड़कर जाता है। जिसकी क्षति व सफाई का दबाव राज्य पर पड़ता है। निस्संदेह, सरकार की नई पहल का उद्देश्य आदिवासी जिले लाहौल और स्पीति में पर्यटन के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है। इसके अलावा हिमाचल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में आगंतुकों के लिये सुविधाओं का विस्तार करना भी है। दरअसल, राज्य सरकार सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है और प्रोटोकॉल में संशोधन करके यात्रियों की पहुंच को आसान बना रही है। ऐसी ही एक पहल मंगलवार को किन्नौर जिले के शिपकी-ला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शुरू की। दरअसल, इन क्षेत्रों के सामरिक महत्व को देखते हुए राज्य के अधिकारी सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं। निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश सरकार की यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिये, खासकर दूरदराज के गांवों के लिये अच्छा संकेत है। जब ग्रामीणों का जन-जीवन बाहर से आने वाले पर्यटकों की गतिविधियों से प्रभावित होता है तो उन्हें पर्यटन से होने वाले लाभ भी मिलने चाहिए। वहीं पर्यटकों की सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। पहलगाम आतंकी हमले ने हमें कई सबक दिए हैं। सबक याद दिलाए हैं कि यदि पर्यटकों की सुरक्षा दांव पर हो तो लापरवाही व चूक के लिये कोई जगह नहीं हो सकती। कश्मीर का हालिया अनुभव बताता है कि जब पर्यटक असुरक्षित महसूस करते हैं तो पर्यटन उद्योग को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। ऐसे में पर्यटक जम्मू-कश्मीर के विकल्प के रूप में हिमाचल की ओर रुख कर सकते हैं। जिससे हिमाचल के पर्यटन उद्योग को नई प्राण वायु मिल सकती है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिये हर संभव प्रयास करना होगा कि नियमित पर्यटन से हिमाचल को न केवल वर्तमान में बल्कि दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त हों। वहीं राज्य सरकार को ध्यान रखना होगा कि बढ़ती पर्यटन गतिविधियों से क्षेत्र की जन-जातियों की संस्कृति और जीवनचर्या में प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके लिये यह भी जरूरी है कि पर्यटन से होने वाली आय से इन क्षेत्रों के विकास को भी गति मिले। जिससे स्थानीय लोग पर्यटन गतिविधियों में उत्साह से भाग लें।

विश्व में 16 करोड़ बाल श्रमिक, प्रत्येक दस बच्चों में से एक बाल मजदूर

(लेखक -विनोद कुमार विक्की)

(बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून- आलेख)

प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम करना बाकी है,आइए प्रयासों में तेज़ी लाएँ! 12 जून 2025 (विश्व बाल श्रम निषेध दिवस) का उपरोक्त थीम इस बात का साफ संकेत दे रहा है, कि वैश्विक स्तर पर बाल श्रम उन्मूलन की चुनौती के लिए अभी हमें लंबी लड़ाई लड़नी है। हालांकि सतत विकास लक्ष्य 8.7 को अपनाने के साथ पूर्व में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 2025 तक बाल मजदूरी के सभी रूपों को समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है, किंतु यह संघर्ष जारी है। यदि आँकड़ो पर गौर करें, तो दुनिया भर में दस में से लगभग एक बच्चा बाल मजदूरी में संलिप्त है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, वर्तमान में 16 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी में लगे हुए हैं। इस में 7.2 करोड़ की संख्या सिर्फ अफ्रीका की है, जो वैश्विक बाल श्रम में सर्वोच्च है। वहीं, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 6.2 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलिप्त हैं।

बाल श्रम, एक ऐसा अभिशाप है, जो बच्चों का ना केवल बचपन, मौलिक अधिकार और आत्म सम्मान का हनन करता है, बल्कि उनकी पहचान भी छीन लेता है। कार्यस्थल पर बाल श्रमिकों को उनके वास्तविक नाम की बजाय छोटू संबोधन से ही बुलाया और जाना जाता है। जिन हाथों में कलम कॉपी होनी चाहिए उन हाथों में चाय की ग्लास, जूठे टेबल को साफ करने वाले कपड़े, खुले आसमान के नीचे जिस सिर पर बंधन रहित बचपन होना चाहिए उस सिर पर ईंट अथवा सामान का बोझ उठाने वाला दृश्य, सभ्य समाज के लिए बदनुमा दाग सा है।

शारीरिक एवं मानसिक रूप से ऐसा कोई भी कार्य जो बालकों से उनका बचपन, उनकी क्षमता और आत्म-सम्मान का हनन करते हुए उन्हें स्कूली शिक्षा से वंचित करता है, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल श्रम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा किया जाने वाला वह काम है जो किसी भी तरह से उनका शोषण करता है, उन्हें मानसिक, शारीरिक या सामाजिक नुकसान पहुँचाता है, या उन्हें जानलेवा खतरे में डालता है।

बाल मजदूरी (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार, 14 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खनन कार्य में लगाया जाना अथवा अन्य किसी जोखिम पूर्ण रोजगार में नियुक्त किया जाना, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। भारतीय संविधान के भाग तीन अनुच्छेद 24 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को खतरनाक एवं खादानों में कार्यों में संलिप्त करना प्रतिबंधित किया गया है।अनुच्छेद 32 में भी बाल श्रम का प्रतिषेध और कार्यस्थल पर युवाओं का संरक्षण की चर्चा की गई है। बावजूद इसके कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों जैसे कालीन बुनाई, परिधान निर्माण, घरेलू सेवा, गन्ना खेतों, मत्स्य पालन, खनन, होटल,ढ़ाबा,ईंट भट्ठों, भवन निर्माण स्थलों पर बाल श्रमिकों की उपलब्धता सहर्ष ही देखी जा सकती है। गरीबी, अशिक्षा, जागरूकता का अभाव,पारिवारिक परिस्थिति जन्य परिवेश, अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा, सस्ते श्रम की माँग आदि स्थितियां बाल श्रमिक की संख्या में वृद्धि के प्रमुख कारक हैं। भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार 1.01 करोड़ बाल श्रमिक का आकलन किया गया था, जबकि वर्तमान में यह संख्या दो करोड़ के लगभग मानी जा रही है, वैसे सरकारी अनुमान के अनुसार लगभग 1 करोड़ 70 लाख भारतीय बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो बेहद चिंताजनक है। यूपी, एमपी बिहार, राजस्थान महाराष्ट्र आदि राज्यों में बाल श्रम के मामले ज्यादा देखने को

मिलते हैं। वैश्विक स्तर पर समय के साथ बाल श्रम में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कोविड-19 महामारी, युद्धों और संकटों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों ने परिवारों को गरीबी की ओर तथा बचपन को बाल श्रम की ओर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यद्यपि भारत में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ के अलावा बाल श्रम उन्मूलन के लिए बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम (1986), राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी), राष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन प्राधिकरण (1994),शिक्षा अधिकार अधिनियम(2009), भारत सरकार बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम(2016), कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन, बाल रक्षा भारत, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन आदि अधिनियम तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन वर्षों से संघर्षरत हैं, तथापि बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम का सख्ती से अनुपालन, शिक्षा का प्रचार-प्रसार, गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता, बाल श्रम से पीड़ित बच्चों को पुनर्वास कार्यक्रमों के साथ ही मानवाधिकार संरक्षण एवं जन जागरूकता से बाल श्रम जैसी चुनौतियों से समय रहते निपटा जा सकता है।

(चिंतन-मनन)

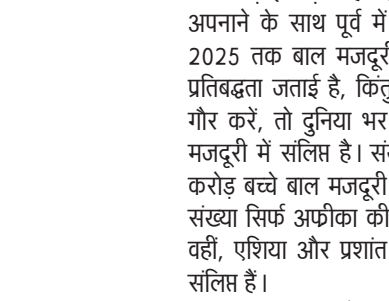

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विचार मंथन

हमास को बागी योद्धाओं से नष्ट कराने की तैयारी में इजराइल

(लेखक - सनत जैन)

इजराइल सर्वशक्ति संपन्न होते हुए भी हमास का खत्मा नहीं कर पाया। पिछले कई महीनो से इजराइल और गाजा के बीच में युद्ध चल रहा है। इजराइल ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। हजारों लोग मारे जा चुके हैं। महिलाएं और बच्चे भी इस युद्ध में बड़ी संख्या में मारे गए हैं। गाजा में भुखमरी फैली हुई है। घायलों को अस्पताल में इलाज नहीं मिल रहा है। डॉक्टर नहीं हैं, दवाइयां नहीं है। छोटे-छोटे बच्चे आहार नहीं मिलने के कारण हजारों की संख्या में मारे गए हैं। इसके बाद भी इजराइल, हमास के योद्धाओं को खत्म नहीं कर पाया। पिछले 20 वर्षों से हमास का कब्जा गाजा पर है। इजराइल ने साम दाम दंड-भेद हर तरह के प्रयास कर लिए हैं। इसके बाद भी हमास का खत्मा नहीं हो पाया। इजराइल ने अब एक नई रणनीति तैयार की है। जिसके अनुसार हमास के बागियों को ही हमास को नष्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पॉपुलर फोर्सेज के लीडर यासर अबू शवाब हैं। यह संगठन खुद को आतंकवाद मिटाने वाला संगठन बताता है। कई मानवाधिकार संगठन इसे लुटेरे और अपराधियों का संगठन मानते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में हमास को जड़-मूल से समाप्त करने की जिम्मेदारी अब पॉपुलर फोर्स को दे दी है। इसे हमास संगठन के बारे में सभी जानकारी है। सभी ठिकाने और उनकी ताकत के बारे में जानकारी होने के कारण इजराइल की सरकार ने अब कांटा से कांटा निकालने की रणनीति अपनाई है। अबू शबाब का संगठन अभी छोटे-छोटे अपराधों में लिप्त था। इजराइल सरकार का समर्थन मिलने के बाद एकाएक इसकी ताकत बहुत बढ़ गई है। यह संगठन अभी दक्षिणी गाजा में सक्रिय है। इस संगठन के लोग फिलीस्तीनी झंडे और काउंटर टेररिज्म यूनिट की वर्दी पहनकर अपने आप को आतंकवाद को खत्म करने वाला संगठन बताते हैं। अनादि काल से फूट डालो और राज करो की नीति चली आ रही है। इस नीति के माध्यम से सत्ता पर कब्जा तो कर लिया जाता है, लेकिन सत्ता ज्यादा दिनों तक चलती नहीं है। इजराइल इतने लंबे समय के बाद भी जब हमास को नियंत्रित नहीं कर पाया। ऐसी स्थिति में अब उसने हमास के बागियों को हमास के खिलाफ उतार दिया है। इन्हें इजरायल की सेना द्वारा भारी मात्रा में हथियार और धन दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बैट ने जो कार्य योजना तैयार की है, उसको प्रधानमंत्री नेतन्याहू की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस कार्य योजना में हमास को पूरी तरह से खत्म करने के लिए नए उग्रवादी संगठन को पूरी ताकत के साथ खड़ा किया जा रहा है। हमास के लिए यह विभीषण साबित होंगे। सारी गोपनीय जानकारी यह इजराइल की सरकार को देंगे। संयुक्त रूप से हमास के खिलाफ अपनी लड़ाई को तेज करेंगे। इजराइल को लगता है, इस रणनीति के तहत इजराइल गाजा की लड़ाई को जल्द समाप्त कर देगा। इस समय सारी दुनिया में इजराइल-गाजा तथा रूस और यूक्रेन के बीच में जो युद्ध चल रहा है, वह काफी विनाशकारी साबित हुए हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया की चिंता इन दोनों युद्ध को समाप्त कराने की है। इसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा अभी तक जो प्रयास किए हैं, उसमें कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए हैं। गाजा में जिस तरह के हालात हैं, वह पूरी मानवता को शर्मसार करने वाले है। इजराइल, रूस और यूक्रेन के सामने आज सारी दुनिया के देश बेबस नजर आ रहे हैं। जो नेता सत्ता के सिंहासन में बैठे हुए हैं, वह इतने अहंकारी हो गए हैं। संवेदनशीलता जैसी कोई स्थिति उनमें देखने को नहीं मिल रही है। मानवता पूरी दुनिया में शर्मसार हो रही है।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है। रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं कहां चली गईं, इसका भी पता नहीं लग पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का जैसे कोई अस्तित्व ही नहीं रह गया है। निश्चित रूप से हमास इस समय सबसे कमजोर है। फिर भी वह अपनी लड़ाई लड़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ 85.50 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 85.59 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.62 पर खुला और फिर 85.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.66 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.2 फीसदी बढ़ा।

यूरोपीय संघ एफटीए से 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था। इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्त्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई। यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है। उन्होंने कहा कि यह दोहरा मापदंड चुनिंदा दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक जो दूसरों के संसाधनों तक खुली पहुंच चाहता है जबकि अपने दरवाजे मूल्य वर्धित निर्यात और औद्योगिक विकास के लिए बंद कर रहा है। भारत ऐसी विषमता को स्वीकार नहीं कर सकता है। एक निष्पक्ष मुक्त व्यापार करार पारस्परिक दायित्वों को प्रतिबिंबित करने वाला होना चाहिए न कि कच्चे माल के एकतरफा प्रवाह के हिसाब से। यूरोपीय संघ के अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन और पीएम मोदी ने 28 फरवरी को संयुक्त रूप से घोषणा की थी कि दोनों पक्ष 2025 के आखिर तक मुक्त व्यापार करार को पूरा करना चाहते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि बातचीत आगे बढ़ रही है और साल के आखिर की समयसीमा से पहले भी समझौता किया जा सकता है। यूरोपीय संघ ने कहा कि बातचीत के 11वें दौर के दौरान पारदर्शिता, बेहतर नियमन, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा तथा बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे कई अध्याय पर सफल चर्चा पूरी हो गई है। आईपीआर अध्याय पर यूरोपीय संघ ने कहा कि वार्ताकारों ने कई पहलुओं पर समझौता प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया और इस अध्याय की बातचीत समाप्त हो गई।

भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी बिगस्टेर

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की श्रेणी में रिनाल्ट कंपनी भी अपनी नई एसयूवी के साथ उतारने की तैयारी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिगस्टेर नाम से जानी जाने वाली यह एसयूवी भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान इसकी स्पाई शॉट्स सामने आई हैं, जिसमें यह एक बड़ी और दमदार एसयूवी के रूप में नजर आई। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट में लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह सीधे तौर पर लोकप्रिय एसयूवीको चुनौती देगी। रिनॉल्ट बोरेल को भारत में खास तौर पर डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। इसमें रडार-बेस्ड अडास, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, ईएससी और इसोफिक्स माउंट्स की संभावना है। इंजन विकल्पों की बात करें तो रिनॉल्ट बोरेल में पेट्रोल, माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन दिए जा सकते हैं। रिनॉल्ट इंडिया ने अभी तक बोरेल की लॉन्च तारीख का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि इसे 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है। यह एसयूवी न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगी, बल्कि इसका डिजाइन और लेआउट भी भारतीय ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। रिनॉल्ट बोरेल के आने से मिड और प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है।

ग्रैंड विटारा ने 3 लाख यूनिट्स की बिक्री का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की मिड-साइज एसयूवी ग्रैंड विटारा ने महज 32 महीनों में 3 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बना लिया है। बिक्री के यह आंकडे ग्राहकों के बीच ग्रैंड विटारा की लोकप्रियता को दर्शाते है। इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान इसके स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट्स का रहा है, जिनमें वित्त वर्ष 2024-25 में 43 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, ऑलग्रिप सिलेक्ट 4म4 सिस्टम और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन जैसे फीचर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। मारुति सुजुकी के मार्केटिंग और सेल्स प्रमुख पार्थो बनर्जी ने ग्राहकों का आभार जताते हुए कहा कि ग्रैंड विटारा ने कंपनी को मिड-एसयूवी सेगमेंट में मजबूत स्थिति दिलाई है। इस अवसर पर कंपनी ने 'ड्रिवेन बाय टेक' अभियान भी शुरू किया है, जिसमें एसयूवी को ग्राहकों की जीवनशैली से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। इस एसयूवी में 1.5-लीटर इंटेलिजेंट इलेक्ट्रिक हाइब्रिड और के-सीरीज डुअल-जेट इंजन विकल्प मौजूद हैं। सीएनजी वर्जन भी उपलब्ध है, जो शानदार माइलेज और परफॉर्मेंस का संतुलन पेश करता है।2025 ग्रैंड विटारा में ज़ेटा और अल्फा वेरिएंट्स में कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जिनमें पैनोरमिक सनरूफ, आर17 अलॉय व्हील्स, 360-डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स और क्लैरियन साउंड सिस्टम शामिल हैं। सभी ट्रिम्स में छह एयरबैग, हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी और आईसोफिक्स चाइल्ड माउंट्स जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी दी गई हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों और खरीददारी से बाजार ऊपर आया। आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। दिनभर के कारोबार के दौरान बाजार बढ़त पर रहा। अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123 अंक बढ़कर 82,515 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37 अंक ऊपर आकर 25,141 पर बंद हुआ। आज ब्रॉडर मार्केट पर दबाव दिखा। मिडकैप और स्मॉलकैप में काफी मुनाफावसूली हुई। ये दोनों इंडेक्स करीब आधा फीसदी गिरकर बंद हुए। आज ऑयल एंड गैस और आईटी शेयरों में अच्छी तेजी रही। . दोनों इंडेक्स 1 फीसदी से ज्यादा चढ़े। आईटी शेयरों में टीसीएस इंफोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो सभी में तेजी रही। रक्षा कंपनियों के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरे। आज का दिन कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों जैसे केफिन और ब्रोकरेज के लिए भी अच्छा नहीं था। इससे जुड़े शेयर दो से 4 फीसदी नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान एचसीएल टेक 3.19 फीसदी, इंफोसिस 2.01 फीसदी , टेक महिंद्रा 1.68 फीसदी, विप्रो 1.62 और ओएनजीसी के शेयरों में 1.23 फीसदी उछाल आया।

वहीं श्रीराम फाइनेंस 2.26 फीसदी, पावर ग्रिड में 1.98 फीसदी, बीईएल में 1.30 फीसदी , इंडसइंड बैंक में -1.07 फीसदी और टाटा टाटा कंज्यूमर में 1.04 फीसदी गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, बाजार में ये तेजी एशियाई सहित अधिकतर विदेशी बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। सुबह सेंसेक्स 80 से ज्यादा उछलकर 82,473 पर खुला। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 13 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान

जबकि 17 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर कामकाज कर रहे थे।

इसी तरह का निफ्टी-50 भी हल्की तेजी बढ़त के साथ 25,134.15 अंक पर खुला। सुबह 9:30 बजे यह 29.90 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 25,125 अंक पर कामकाज कर रहा था।

वहीं गत दिवस वित्तीय बाजारों में मुनाफावसूली से बाजार सपाट बंद हुए थे। सेंसेक्स 53.49 अंक करीब 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ ही 82,391.72 पर जबकि निफ्टी 1.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 25,104 पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को तेजी देखने को मिली। इस दौरान निवेशकों की नजरें अमेरिका और चीन के बीच चल रही व्यापार बातचीत पर टिकी हुई हैं। वहीं जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.33 फीसदी की तेजी आई है जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स में 0.014 फीसदी की बढ़त रही। कोस्पी में 0.56 फीसदी की वृद्धि हुई और एएक्स 200 में 0.36 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं अमेरिकी बाजार में जारी व्यापार चर्चाओं के साथ सकारात्मक माहौल है। डॉव जोन्स में 0.25 फीसदी की बढ़त रही जबकि एसएंडपी 500 में 0.55 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और नैस्डैक में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी रही। इन दोनो के ही वायदा भाव में खुलते ही बढ़त आने लगी। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें 97,250 रुपये, जबकि चांदी की कीमतें 1,06,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी के साथ कामकाज हुआ। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछाल के साथ रही। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 347 रुपये की तेजी के साथ 97,249 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,902 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 351 रुपये की बढ़त के साथ ही 97,253 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,276 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 97,210 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया था। सोने के वायदा भाव इस साल 99,358 रुपये के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 151 रुपये बढ़कर 1,06,900 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,06,749 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 36 रुपये उछलकर 1,06,785 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इसने 1,0,6,900 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,06,744 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 1,07,171 रुपये किलो के भाव के साथ ही शीर्ष स्तर पर

पहुंचे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा में तेजी रही है। कामेक्स सोना 3,344.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,343.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.67 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 36.64 डॉलर था।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

यूरोपीय संघ एफटीए से 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था।इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्त्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई। यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है।

उन्होंने कहा कि यह दोहरा मापदंड चुनिंदा दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक जो दूसरों के संसाधनों तक खुली पहुंच चाहता है जबकि अपने दरवाजे मूल्य वर्धित निर्यात और औद्योगिक विकास के लिए बंद कर रहा है।

हुंडई ने लॉन्च की वर्ना एसएक्स प्लस, कीमत और फीचर्स ने ग्राहकों किया आकर्षित

नई दिल्ली।

दक्षिण कोरियाई कार निर्माता हुंडई ने भारत में अपनी मशहूर सेडान वर्ना का नया एसएक्स प्लस वेरिएंट पेश किया है, जो कीमत और फीचर्स के लिहाज़ से ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया। यह वेरिएंट मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमतें 13.79 लाख और 15.04 लाख रुपए रखी गई हैं। इस नए वेरिएंट में पहले टॉप एसएक्स (ओ) मॉडल में मिलने वाले कई प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनमें एलईडी हेडलाइट्स, 16-इंच एलॉय व्हील्स, रियर स्पॉइलर, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, हीटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स तथा लेदरेट अपहोल्स्ट्री जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। वर्ना एसएक्स प्लस में 1.5 लीटर का 4-सिलिंडर नेचुरल एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 115एचपी की पावर और 143.8एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है और दावा किया गया है कि यह कार 18 से 19 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। सुरक्षा के लिहाज़ से भी यह वेरिएंट काफी दमदार है, जिसमें छह एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और रियर पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने अपने चुनिंदा मॉडल्स के लिए नया वायर्ड-टू-वायरलेस एडॉप्टर भी पेश किया है जिसकी कीमत 4,500 रखी गई है। यह एडॉप्टर वायरलेस एप्ल कारप्ले और एन्ड्रॉड ऑटो को सपोर्ट करता है और वेरना एसएक्स(ओ), एसएक्स टूबो और एसएक्स(ओ) टूबो वेरिएंट्स के लिए उपयुक्त है।

स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में भारत के दोहरे अंक में बढ़ने की उम्मीद

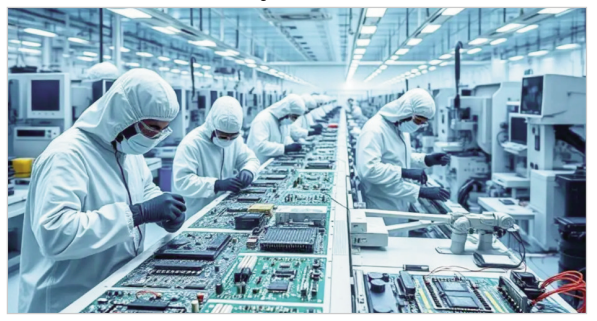

मुंबई।

वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में गिरावट हुई है और 2025 में भारत का उत्पादन दोहरे अंक में बढ़ने की उम्मीद है, इससे वर्ल्ड आउटपुट में देश का शेयर करीब 20 प्रतिशत पहुंच जाएगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट 2025 में सालाना आधार पर एक प्रतिशत गिरने का अनुमान है। इसका कारण टैरिफ का प्रभाव और इंडस्ट्री में धीमापन आना है। इससे पहले 2024 में इंडस्ट्री आउटपुट में 4 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। चीन, भारत और वियतनाम 2024 में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट के 90 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें भारत आउटपुट वृद्धि में सबसे शीर्ष पर था। चीन का उत्पादन टैरिफ के कारण प्रभावित रहेगा, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आएगी और साथ ही घरेलू प्रदर्शन में भी गिरावट का अनुमान है। मामले से जुड़े जानकार ने कहा, ब्रांड्स के पास चीन से बाहर जाने और अन्य देशों में अधिक उत्पादन क्षमता और आउटपुट आवंटित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है। चीन से बाहर जाने वाली क्षमता में मुख्य विजेता भारत और वियतनाम दो ही देश हैं। भारत में उत्पादन बढ़ाने की काफी क्षमता है और वियतनाम, जो चीन के अपेक्षाकृत करीब है और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक परिपक्व कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर है। भारत का पूरा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम लगातार बढ़ रहा है और स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में उत्पादकता और जटिलता दोनों के संदर्भ में लगातार सुधार हो रहा है।

चैटजीपीटी डाउन, सवाल पूछने पर नेटवर्क में आ रहा एरर मैसेज

यूजर्स हुए परेशान, कंपनी ने माना एआई टूल सोरा पर पड़ा असर

नई दिल्ली।

ओपनएआई का एआई चैटबॉट चैटजीपीटी डाउन हो गया, जिससे कई देशों के लाखों यूजर्स इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। भारत और अमेरिका में सबसे ज्यादा यूजर्स परेशान हैं। कंपनी ने चैटजीपीटी की सर्विस प्रभावित होने को स्वीकार किया है और बताया है कि चैटजीपीटी और इमेज जेनरेशन एआई टूल सोरा पर इसका असर पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी के डाउन होने की खबरें यूजर्स द्वारा दोपहर 3 बजे के आसपास आना शुरू हुईं। प्लेटफॉर्म पर करीब 800 शिकायतें दर्ज की गईं। करीब 88 फीसदी शिकायतों में लोगों ने कहा कि चैटबॉट उनके द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे रहा है। वहीं, 8 फीसदी लोगों ने मोबाइल एप के साथ समस्याओं की सूचना दी, जबकि 3 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें एपीआई से संबंधित दिक्कतें आ रही हैं। चैटजीपीटी से सवाल पूछे जाने पर यूजर्स को बार-बार ÷कुछ गड़बड़ हो गई है÷ का मैसेज दिखा रहा है। कई लोगों ने बताया कि चैटजीपीटी से सवाल पूछने पर नेटवर्क में एरर का मैसेज आ रहा है। कुछ लोगों को दोबारा ट्राई करने का निर्देश दिया है। वहीं, ओपनएआई ने अपने सिस्टम स्टेटस पेज पर आउटेज की बात मानी है, जिसमें पुष्टि की गई कि चैटजीपीटी और उसका टेक्स्ट-टू-वीडियो प्लेटफॉर्म सोरा दोनों प्रभावित हुए हैं। ओपनएआई ने कहा कि चैटजीपीटी कुछ यूजर्स एरर दिखा रहा है, जबकि कुछ यूजर्स को देर से जवाब मिल रहे हैं। हम इस मुद्दे की जांच जारी कर रहे हैं। कंपनी ने आउटेज को ठीक कर लेने का समय नहीं बताया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया ने डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अंतिम ग्यारह घोषित की

लंदन।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए अपनी अंतिम ग्याह घोषित कर दी है। किया। वहीं इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भी कप्तान टेम्बा बावुमा और अन्य खिलाड़ियों के नाम घोषित कर दिये थे। कमिंस ने कहा कि वैसी ही टीम उतारी जा रही है जैसी ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भविष्यवाणी की थी। बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे जबकि जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। हेजलवुड स्कॉट बोलैंड की जगह शामिल किये गये हैं। वहीं ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पीठ की वापसी हुई है। वह सर्जरी के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेंगे, इसके अलावा ब्यू वेबस्टर को भी टीम में बनाये रखा गया है। ऑस्ट्रेलियाई अंतिम 11 = पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

डब्लयूटीसी फाइनल में परिणाम चाहे कुछ भी हो, बनेगा रिकार्ड

लंदन।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां आज से शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशपि (डब्लयूटीसी) फाइनल में कोई भी टीम जीते रिकार्ड बनना तय है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम गत विजेता है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार दूसरी बार इस खिताब बरकरार रखने का प्रयास करेगी जबकि दक्षिण अफ्रीका का लक्ष्य पहली बार इस ट्रॉफी को जीतना रहेगा।

डब्ल्यूटीसी के पहले सत्र का फाइनल साल 2019-2021 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ था जिससे कीवी टीम ने जीत हासिल की थी। इसके बाद दूसरा फाइनल 2021-2023 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ था जिससे भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम एक बार फिर यहां फिर खिताब जीतती है तो वह दो बार फाइनल में पहुंचने वाली विश्व की अकेली टीम बन जाएगी जो दो बार फाइनल जीती हो। वहीं अगर दक्षिण अफ्रीकी टीम जीती तो वह पहली बार खिताब जीतेगी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम लगातार 7 टेस्ट में जीत के साथ फाइनल में पहुंची है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था।

ऑस्ट्रेलिया की टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है। जिसका लाभ हुए मिलेगा। आईसीसी टूर्नामेंट में टीम और भी आक्रामक बन जाती है। उसके बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का लॉर्ड्स में औसत 58 के आसपास का है

स्मिथ ने हालांकि पिछले पांच टेस्ट मैचों में चार शतक लगाये है और उन्होंने 10,000 रन बनाये हैं जबकि पूरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजों के रनों को जोड़ दें तो भी वह बराबरी पर नहीं पहुंचती।

मुझे कप्तानी करना पसंदः श्रेयस अय्यर

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस बार पंजाब किंग्स आईपीएल के फाइनल में पहुंची थी हालांकि वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं श्रेयस की कप्तानी में ही अब सोबो मुंबई फाल्कंस टीम टी-20 मुंबई लीग के फाइनल में पहुंच गयी है। इसी को लेकर श्रेयस ने कहा है कि दबाव हमेशा ही होता है पर उन्हें कप्तानी करना पसंद है। श्रेयस कितने आत्मविश्वास से भरे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यह क्रिकेटर अपनी कप्तानी में एक साल के भीतर चौथा फाइनल खेलने जा रहा है। अय्यर ने कप्तानी को लेकर कहा कि उन्हें नेतृत्व करना पसंद हैं। उसके साथ आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों का आनंद उठाते हैं। उन्होंने कहा, कप्तानी में हमेशा दबाव होता है लेकिन मुझे अगुआई करना पसंद है। मैं इसे 22 साल की उम्र से कर रहा हूं और मैं इसके साथ आने वाली चुनौती और जिम्मेदारी को उठाने का आनंद लेता हूं। टी-20 मुंबई लीग के सेमीफाइनल में मंगलवार को मुंबई फाल्कंस ने बांद्रा ब्लास्टर्स को 5 विकेट से हराया। अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली फाल्कंस 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में मराठा रॉयल्स के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेगी। पिछले एक साल में इस क्रिकेटर ने अपनी कप्तानी में अलग-अलग टीमों को अलग-अलग 4 टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंचाया है। अय्यर ने मई 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपनी कप्तानी में आईपीएल चैंपियन बनाया। उसके बाद वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी करते हुए टीम को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया।

विलियमसन बोले, यशस्वी , शुभमन सहित ये खिलाड़ी होंगे अगले फैब-4

मुम्बई।

विश्व क्रिकेट में लगातार नये सितारे उभर रहे हैं। ऐस में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन और जो रूट के बाद कौन खिलाड़ी फैब-4 में शामिल होंगे। इसको लेकर अनुमान लगाये जा रहे हैं। कोहली ने टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है। वहीं स्टीव स्मिथ एकदिवसीय में जबकि रूट अब टी20 में नहीं खेलते हैं। केन विलियमसन भी अब एकदिवसीय और टेस्ट ही खेलते हैं। ये सभी खिलाड़ी अब 30 से अधिक की उम्र के है। ऐसे में अब नये दौर के खिलाड़ी इनकी जगह लेते जा रहे हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल है कि इन खिलाड़ियों के जाने के बाद फैब-4 में कौन से नए खिलाड़ी रहेगे। इसी को लेकर विलियमसन ने कहा कि नए फैब-4 में एक नहीं बल्कि दो भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिलेगी। साथ ही कहा कि नये फैब-4 उनके अनुसार यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रचिन रवींद्र और हैरी ब्रूक होंगे। इस सूची में पांचवें खिलाड़ी के तौर पर कैमरून ग्रीन को जगह मिलेगी। विलियमसन के अनुसार ये सभी बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्होंने सभी फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। सभी युवा हैं और इनका खेल अभी लगातार बेहतर होता जा रहा रहा है। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में शुभमन गिल औ यशस्वी जायसवाल पर सभी की नजरें रहेंगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टीम के लिए रन बनाने की जिम्मेदार इनपर रहेगी।

टी20 रैंकिंग :वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर कायम; इंग्लैंड के राशिद दूसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दल को आईसीसी पुरुष टी20रैंकिंग में स्थान मिला है, जिसमें अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद सबसे आगे हैं। 37 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड की 3-0 की टी20 सीरीज जीत में निरंतरता का नमूना पेश किया, जिसमें चेस्टर-ले-स्ट्रीट में 1/22, ब्रिस्टल में एक हाई-स्कोरिंग क्लैश में 1-59 और साउथम्प्टन में अंतिम मैच में 2/30 के आंकड़े हासिल किए। उनके प्रयास श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और भारत के वरुण चक्रवर्ती दोनों को पीछे छोड़ने के लिए पर्याप्त थे, जिससे वे टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 710 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जो वर्तमान नंबर 1 न्यूजीलैंड के जैकब डफी से केवल 13 अंक पीछे है। लेगी का उदय इंग्लैंड के लिए एक प्रभावशाली रन को दर्शाता है, जिसने उसी प्रतिद्वंद्वी पर पहले की एकदिवसीय श्रृंखला जीत से अपनी गति को आगे बढ़ाया। इंग्लैंड के एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को भी उनके शानदार योगदान का इनाम मिला। अंतिम दो टी20 में उनके दो विकेट ने उन्हें रैंकिंग में 16 पायदान ऊपर 52वें स्थान पर पहुंचा दिया। श्रृंखला में रनों की भरमार थी, और बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी यह झलकता है। बेन डकेट ने तीसरे टी20 में 46 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन किया - एक ऐसी पारी जिसने उन्हें 48 पायदान ऊपर उठाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 16वीं रैंकिंग पर पहुंचा दिया। हैरी ब्रूक की 35* और 34

रन की तेज पारी ने उन्हें छह पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज ने भी अपने पलों को बरकरार रखा। कप्तान शाई होप के 40 से अधिक रन की दो पारियों ने उन्हें बल्लेबाजी सूची में 14 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि रोवमैन पॉवेल ने अंतिम मैच में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारी खेलकर शीर्ष 20 में जगह बनाई। ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने भी बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और 70 रन और एक महत्वपूर्ण विकेट की बदौलत ऑलराउंडर रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

कुलदीप यादव होगें टीम इंडिया के एक्स फैक्टरः हेडन

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम अभी अभी इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यासास कर रही है। वहीं इस दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि कुलदीप यादव इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि इस सीरीज में विराट कोहली , रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम की कड़ी परीक्षा भी होगी। हेडन ने कहा कि कुलदीप जैसा कोई गेंदबाज भारत के लिए काफी विकेट ले सकता है। कुलदीप ने अभी तक 13 टेस्ट मैच खेले हैं। जिनमें 24 पारियों में 56 विकेट अपने नाम किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वह इससे पहले 6 टेस्ट खेल चुके हैं जिनमें 11 पारियों में उन्हें 21 विकेट मिले थे। हेडन के अनुसार युवा कप्तान शुभमन गिल के होने से टीम के उभरते हुए खिलाड़ी भी निडर होकर अपना खेल खेलेंगे। मैडन ने कहा कि विराट, रोहित जैसे खिलाड़ी लंबे समय से टीम के साथ रहे हैं। ऐस में उनकी कमी खलना स्वभाविक है पर टीम के पास कई प्रतिभाएं हैं जो उनकी जगह भरने का प्रयास करेंगी। साथ ही कहा कि उपकप्तान ऋषभ पंत भी इस दौर में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा टीम के पास करुण नायर जैस बल्लेबाज भी है जिसके ना एक तिहरा शतक भी है। टीम की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह , मो सिराह ओर अर्शदीप सिंह जैसे तेज गेंदबाज होने से संतुलित है।

श्रेयस की टीम मुंबई टी20 लीग के फाइनल में पहुंची, मराठा रॉयल्स से होगा मुकाबला

मुम्बई।

श्रेयस अय्यर आईपीएल ट्रॉफी तो नहीं जीत पाये हैं पर उनके पास मुंबई टी20 लीग खिताब जीतने का अवसर जरुर है। श्रेयस की कप्तानी में सोबो मुंबई फाल्कंस टीम मुंबई लीग के फाइनल में पहुंच गई है। इस टूर्नामेंट में श्रेयस की टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उनकी टीम का खिताबी मुकाबला सिद्धेश लाड की कप्तानी वाली साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से होगा। मुंबई फाल्कंस टीम 12 जून को श्रेयस की कप्तानी में साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से खेलेगी। सेमीफाइनल में श्रेयस की टीम सोबो मुंबई फाल्कंस ने बांद्रा ब्लास्टर्स को 5 विकेट से हराया था। बांद्रा ब्लास्टर्स ने तय ओवरों में 130 रन बनाए थे। उसकी ओर से धुमिल मतकर ने सबसे अधिक 34 रन की पारी खेली जबकि कप्तान आकाश आनंद ने 28 गेंदों पर 31 रन बनाए। वहीं मुंबई फाल्कंस की ओर से आकाश पराकर ने दो ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं यश और विनायक ने एक-एक विकेट लिया। मुंबई फाल्कंस की ओर से इशान मुलचंदानी ने सबसे अधिक 52 रन बनाये जबकि आकाश पराकर ने 20 गेंदों पर 32 रन बनाए!

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बदली टीम रोस्टन चेज बने कप्तान

जमेका।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस टीम में सात बदलाव हुए हैं और नया कप्तान भी बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज से वेस्टइंडीज की टीम अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के नए चक्र की शुरुआत करेगी। 3 मैचों की ये टेस्ट सीरीज 25 जून से खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए रोस्टन चेज को कप्तान बनाया गया है। वहीं सीमित ओवरों की टीम के कप्तान शाई होप को फिर से टेस्ट टीम में जगह मिली है जबकि केमार रोच को टीम में जगह नहीं मिली हे। इसके अलावा एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे ब्रैंडन किंग को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। जॉन कैंपबेल को वापस शामिल किया गया है। कैंपबेल ने हाल में घरेलू क्रिकेट में 11 पारियों में 573 रन बनाये हैं। वहीं 24 वर्षीय केवलन एंडरसन को पहली बार टीम में जगह मिली है। वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई में भी कुछ नए चेहरे शामिल किये गये हैं। 21 साल के जोहान लेन को भी अवसर मिला है, जोहान ने 17 फर्स्ट क्लास मैचों में 63 विकेट लिए हैं। एंडरसन फिलिप को फिर से टीम में शामिल किया गया है। वहीं रोच के अलावा, जोशुआ डा सिल्वा, एलिक एथानैज, कावेम हॉज, आमिर जंगू, गुडाकेश मोती और केविन सिंक्लेयर शामिल नहीं किया गय है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम रोस्टन चेज

(कप्तान), जोमेल वारिकन (उप कप्तान), केवलन एंडरसन, क्रैग ब्रैथवेट, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, जोहान लेन, मिकाइल लुइस, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स

जब आईपीएल में विराट को आउट कर बुमराह ने बनायी थी पहचान

नई दिल्ली।

जसप्रीत बुमराह आज भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। 2013 में जसप्रीत बुमराह ने केवल 19 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए विराट को गेंदबाजी की थी। तब विराट विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल थे जबकि बुमराह एक उभरते हुए तेज गेंदबाज। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि एक दिन बुमराह भारतीय टीम के डेथ ओवरों के विशेषज्ञ गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह को जब इस मैच में डेब्यू करने का मौका मिला। तो उन्होंने अपने पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी की। इससे सबसे बड़ी उनकी उपलब्धि विराट का विकेट लेना रहा।.विराट आउट होने से पहले विराट कोहली उस समय अच्छी लय में दिख रहे थे और बुमराह की पहला 4 गेंदो पर 3 चौके लगा चुके थे पर बुमराह की एक अंदर आती गेंद को वह समझ नहीं पाए और एलबीडब्यलू हो गए। यह पल आईपीएल इतिहास में इसलिए खास बन गया क्योंकि एक युवा गेंदबाज़ ने सबसे बड़े बल्लेबाज़ को पहली ही टक्कर में आउट कर दिया। इस पहले ही मैच में बुमराह ने तीन विकेट लेकर सभी का ध्यान खींचा। इस मैच ने बुमराह को काफी लाभ हुआ क्योंकि विराट कोहली को आउट करना एक बड़ी उपलब्धि थी और इससे उनका मनोबल भी बढ़ा जिससे बाद बुमराह लगातार आगे बढ़ते गये। आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद वह भारतीय टीम में पहुंचे और उसके बाद लगातार ऊंचाईयों पर जाते रहे। साल 2013 की उस टक्कर ने न केवल ने भारतीय क्रिकेट को बुमराह जैसा शानदार गेंदबाज दिया। बुमराह आज भी उस मैच केा नहीं भूल पाये हैं।

द्रविड़ ने बेंगलुरू हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया

बेंगलुरु।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत पर दुख जताया है। द्रविड़ ने इस प्रकार की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। ये हादसा तब हुआ जब लोग चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेटरों को देखने उमड़ पड़े थे। इस दौरान करीब तीन लाख लोग वहां पहुंच गये थे। जिससे मची भगदड़ में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी जबकि कई अन्य घायल हुए 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। इसी को लेकर द्रविड़ ने कहा, 'यह काफी दुखद है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है.' द्रविड़ ने कहा कि इस शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए यह घटना और भी दर्दनाक है। उन्होंने कहा, 'यह खेलों का शौकीन शहर है। मैं इसी शहर से हूं। यहां लोग क्रिकेट की नहीं, हर खेल को पसंद करते हैं और टीमों के प्रशंसक हैं, फिर चाहे वो फुटबॉल टीम को या कबड्डी टीम।'द्रविड़ ने कहा, 'यहां आरसीबी के प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या में हैं। यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों के प्रति हमारी संवेदना है।' इस हादसे के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम ने इस्तीफा दे दिया था। वहीं इस मामले में कुछ लोगों को लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया है।

विराट और रोहित के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे में विदायी कार्यक्रम रखेगा सीए

मुम्बई।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौर में यादगार विदायी मिल सकती है। रोहित और विराट के 2027 विश्वकप तक ही खेलने की संभावना है। ऐसे में ये इन दोनो का अंतिम ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा।

साल 2026 में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय सीरीजमें नहीं है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि यह विराट और रोहित की ऑस्ट्रेलिया में आखिरी सीरीज होगी और आखिरी दौरा भी होगा। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) इन दोनो के लिए विदाई कार्याक्रम की योजना बना रहा है।

सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया का अगली गर्मियों में व्यस्त कार्याक्रम है। इस दौरान विराट और रोहित अंतिम बार ऑस्ट्रेलिया में खेलते नजर आएंगे। वे एकदिवीसय सीरीज का हिस्सा होंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा, यह क्रिकेट का एक बहुत बड़ा सत्र है, जिसमें भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमें शामिल हैं। साथ ही, एशेज भी होनी है। लगभग दो दशकों में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पूरे देश के हर एक हिस्से में खेला जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, रिकॉर्ड तोड़ टिकट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बिके थे और हमें उम्मीद है कि इस गर्मियों में भी ऐसा ही रहेगा। अगर आप आने वाले खिलाड़ियों की गुणवत्ता के बारे में सोचते हैं, खासकर भारत से यह अंतिम बार हो सकता है जब हम विराट और रोहित शर्मा अपने देश में खेलते हुए देखें। अगर ऐसा होता है, तो हम यह तय करना चाहते हैं कि हम उन्हें शानदार विदाई दें और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अविश्वसनीय योगदान को स्वीकार करें।

बुमराह से निपटना इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए सबसे मुश्किल रहेगा

लंदन।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर इस बार सबकी नजरें रहेंगी। बुमराह का रिकार्ड इंग्लैंड में काफी अच्छा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे। इस ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेली जानी है। इसका पहला मैच 20 जून को है। बुमराह वैसे तो सीरीज के सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे पर इस दौरे पर वह इन तीनों की मैचों में मेजबान बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ा देंगे। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन काफी दमदार रहा हे। 2018 में हुए दौरे में उन्होंने वहां अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लिए थे। बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसकी 17 पारियों में 26.27 की औसत से 37 विकेट लिए हैं। वहां उनका पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 64 रन देकर 5 विकेट है। इंग्लैंड में टेस्ट मैच में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 110 रन देकर 9 विकेट लिए थे। अब तक केवल दो भारतीय गेंदबाज कपिल देव और ईशांत शर्मा ने ही इंग्लैंड में बुमराह से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। ईशांत ने टेस्ट में 48 विकेट जबकि कपिल 43 विकेट लिए हैं। बुमराह को इंग्लैंड में खेलना काफी पसंद भी है। सात साल पहले ट्रेंट ब्रिज में खेला गया मैच उनका इंग्लैंड में पहला टेस्ट था और अपने पहले ही मैच में उन्होंने एक पारी में 5 विकेट लिए थे। भारत ने उस टेस्ट मैच में जीत हासिल की थी। वहीं साल 2021 दौरे में दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच भी ट्रेंट ब्रिज में खेला गया था और उसमें भी बुमराह ने पारी में 5 विकेट लिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

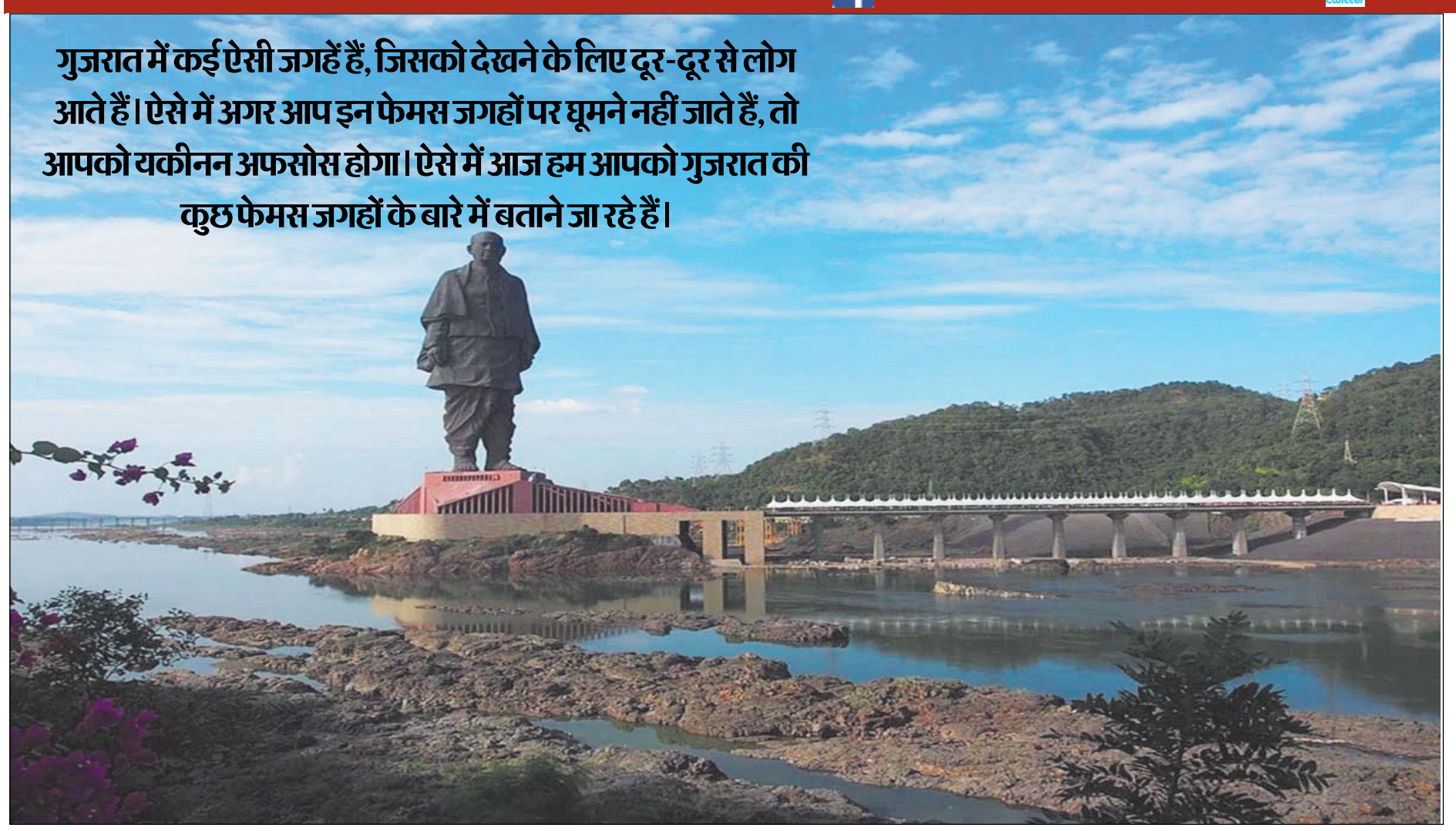

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी

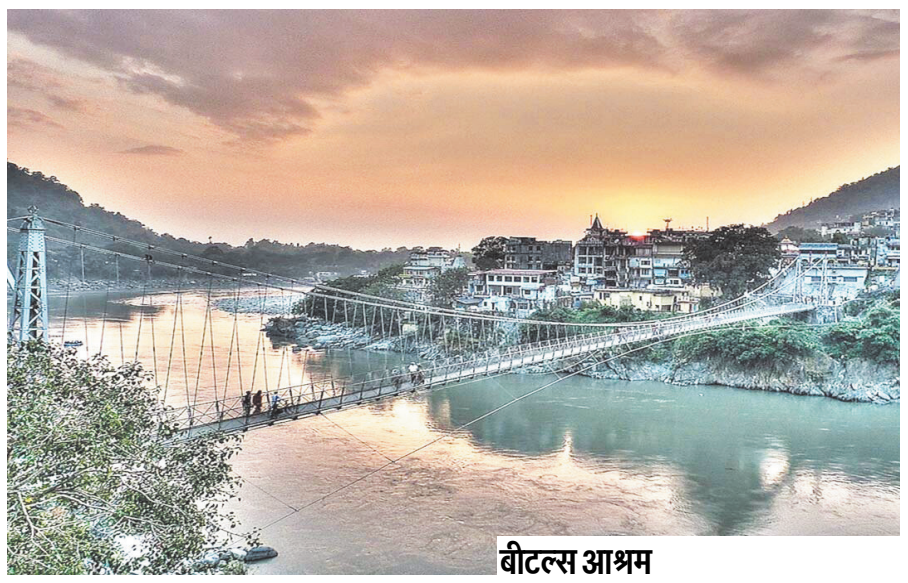

सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर-हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लिक्विड ऑक्सीजन में लीक, फिर टली शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन,(आईएसएस) के लिए उड़ान एक बार फिर स्थगित कर दी गई है। इसकी मूल वजह ये है कि मिशन को अंजाम देने वाली कंपनी स्पेस एक्स ने कहा है कि लॉन्च से पहले किए गए पोस्ट-स्टैटिक फायर बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन में लीक पाया गया, जिस वजह से यह निर्णय लिया गया है। स्पेसएक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, हम सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकते। बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन का रिसाव पाया गया, इसलिए लॉन्च को अगली तिथि तक स्थगित किया गया है।इसरो, एक्सीओम और स्पेस एक्स के एक्सपर्ट के बीच काफी बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि लीक को ठीक किया जाएगा और दोबारा परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ही लॉन्च के लिए हरी झंडी दी जाएगी। इस कारण 11 जून 2025 को प्रस्तावित एक्सीओम-04 मिशन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। एक्सीओम-4 मिशन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय नागरिक होंगे जो एक निजी अंतरिक्ष मिशन के तहत आईएसएस तक पहुंचेंगे। इससे पहले कई बार यह मिशन तकनीकी कारणों से टल चुका है। अब भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की नजरें इस पर टिकी हैं कि यह ऐतिहासिक उड़ान कब दोबारा निर्धारित होगी। स्पेस एक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आधिकारिक बयान में कहा, फेलकोन 9 की एएक्स-4 लॉन्च को रोका जा रहा है, ताकि एलओएक्स लीक को ठीक करने और आवश्यक सुधार के लिए स्पेस एक्स टीम को अतिरिक्त समय मिल सके। मरम्मत पूरी होने और रेंज उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद हम नई लॉन्च डेट शेयर करेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भी इस मिशन के टलने पर बयान जारी किया है। इसरो ने 11 जून 2025 को पहले भारतीय गगनयात्री को आईएसएस भेजने के लिए प्रस्तावित एक्सीओम-04 मिशन टला। इसरो ने कहा, फेलकोन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर स्टेज के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए 7 सेकंड की हॉट टेस्ट लॉन्च पैड पर की गई थी।

रेलवे का नया नियमः वेटिंग टिकट का सस्पेंस अब 4 नहीं 24 घंटे पहले होगा खत्म

यात्रियों को राहत, बीकानेर डिवीजन में शुरू हुई नई व्यवस्था, जल्द देशभर में लागू होगा नियम

नई दिल्ली।

अगर आपने ट्रेन की टिकट बुक की है और वेटिंग लिस्ट में फंसे हैं, तो आपके लिए राहत भरी खबर है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई व्यवस्था लागू की है। अब वेटिंग टिकट का सस्पेंस ट्रेन चलने से 4 घंटे पहले नहीं, बल्कि 24 घंटे पहले ही खत्म हो जाएगा। इससे यात्री अपनी यात्रा को बेहतर तरीके से प्लान कर सकेंगे। अभी तक की व्यवस्था के तहत ट्रेन के प्रस्थान से ढाई से चार घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार किया जाता था। इस कारण वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक यह नहीं पता होता था कि उनकी सीट कंफर्म हुई या नहीं। सीट न मिलने की स्थिति में उन्हें यात्रा रद्द करनी पड़ती थी या फिर वैकल्पिक साधनों की खोज करनी पड़ती थी।

पायलट प्रोटेक्ट के रुप में शुरु किया

रेलवे ने इस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में कदम उठाया है। बीकानेर डिवीजन में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है, जिसे चरणबद्ध तरीके से अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन रूट्स पर उपयोगी साबित होगी, जहां वेटिंग लिस्ट बहुत लंबी होती है, जैसे दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-बिहार, उत्तर प्रदेश-गुजरात आदि। इस नई व्यवस्था का एक बड़ा फायदा यह होगा कि अगर किसी यात्री की वेटिंग टिकट कंफर्म नहीं होती है, तो उसे अन्य विकल्पों जैसे बस, फ्लाइट या दूसरी ट्रेनों की तलाश के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इससे यात्रा की योजनाएं रद्द होने की संभावना भी कम होगी।

तत्काल टिकट बुकिंग पर असर नहीं

रेलवे ने यह स्पष्ट किया है कि इस बदलाव से तत्काल टिकट बुकिंग की प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। तत्काल टिकट पहले की तरह यात्रा से एक दिन पहले ही बुक किए जाएंगे और उनकी पुष्टि की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं, करंट टिकट बुकिंग जैसी सुविधा भी पहले की तरह जारी रहेगी, जिसमें ट्रेन छूटने के कुछ घंटे पहले तक खाली सीटों पर टिकट बुक किया जा सकता है। यात्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या रेलवे काउंटर से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा संपन्न, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया बाबा बर्फानी के दर्शन

अमरनाथ।

श्री अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों की आधिकारिक शुरुआत पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' के साथ हो गई।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देशवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रथम पूजा हर साल अमरनाथ यात्रा के आरंभ से पूर्व की जाती है और इसे यात्रा की पारंपरिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। उपराज्यपाल ने इस अवसर पर कहा, हर हर महादेव! बाबा बर्फानी से प्रार्थना की है कि वे हम सभी पर कृपा बनाए रखें। उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं से अपील की कि 3 जुलाई से शुरू हो रही इस पवित्र यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लें।

साथ ही तीर्थयात्रा को न केवल धार्मिक बल्कि जम्मू-कश्मीर और पूरे देश की शांति और विकास के लिए एक सामूहिक साधना बताया।

एलजी सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, प्रशासन, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सभी एजेंसियों की तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को लेकर भी व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती पहले से ही बढ़ा दी गई है ताकि लाखों तीर्थयात्रियों को हर संभव सुरक्षा दी जा सके। बता दें कि श्री अमरनाथ यात्रा हर वर्ष श्रद्धालुओं के लिए गहन आस्था और धार्मिक ऊर्जा का केंद्र होती है, जो दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा तक कठिन ट्रेक मार्गों के जरिये पहुंचती है।

हिमाचल में तेज धूप से तपने लगे मैदानी इलाके, पारा 44 डिग्री के पार

शिमला।

हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर बुधवार को मौसम साफ रहेगा। यह जानकारी मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने दी है। प्रदेश में तेज धूप रहेगी। अब एक बार फिर प्रदेश के मैदानी इलाके तपने लगे हैं। ऊना का पारा 44.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। 39 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ मंडी में भी उमस भरी गरमी महसूस की जा रही है। सीजन का सबसे ज्यादा गर्मी रिकॉर्ड बना है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश में बुधवार को मौसम साफ रहेगा। ऐसे में मैदानी इलाकों का पारा 2 से 4 डिग्री चढ़ सकता है। 12 जून के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। इस दौरान कई जिलों में हल्की बारिश रिकॉर्ड की जाएगी। फिर 13 जून को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर और लाहुल स्पीति में तेज़ हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। हालिया दिनों में प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। हालांकि तेज अंधड़ और ओलावृष्टि ने कई जगह भारी नुकसान पहुंचाते हुए किसान-बागवानों के अच्छी फसल को लेकर सपने तोड़ दिए हैं।

बारिश से मौसम में ठंडक से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। कुछ ठंडक के बाद अब मौसम फिर गरम हो गया है। खासकर प्रदेश के मैदानी इलाके तपने लगे हैं। वातावरण में उमस रहने से लोग बेहाल हैं। हिमाचल प्रदेश में इस साल मानसून जून के आखिरी सप्ताह तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार मानसून सामान्य से चार फीसदी ज्यादा रहने की उम्मीद है। पिछले साल 27 जून को मानसून ने प्रदेश में दस्तक दी थी, लेकिन स्थितियां अनुकूल रहीं, तो इस साल भी करीब इसी समय मानसून की आमद होगी।

पीएम मोदी से मुलाकात से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य, कोविड सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम

नई दिल्ली।

देश में कोविड-19 के मामले एक बार फिर बढ़ते देखे जा रहे हैं, और इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने से पहले सभी मंत्रियों और पदाधिकारियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यह फैसला कोविड संक्रमण की संभावनाओं को कम करने और एहतियात के तौर पर लिया गया है।सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर होने वाली किसी भी मुलाकात या बैठक से पहले सभी प्रतिभागियों को कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। यह निर्देश विशेष रूप से उस संदर्भ में सामने आया है जब हाल ही में विदेश से लौटे एक डेलिगेशन ने पीएम से मुलाकात की थी, और उसके सभी सदस्यों के लिए भी कोविड टेस्ट जरूरी किया गया था। जानकारी के मुताबिक, आज बुधवार को दिल्ली में बीजेपी के सांसद, विधायक और प्रमुख पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक होगी, जिसमें कोविड एहतियात के तहत बैठक में शामिल होने वाले हर व्यक्ति को कोविड टेस्ट कराना होगा और रिपोर्ट बैठक से पहले जमा करनी होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की सावधानियां ज़रूरी हैं, खासकर जब दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में केस दोबारा बढ़ने लगे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत, संवेदनशील इलाकों और उच्चस्तरीय बैठकों में कोविड से जुड़ी एहतियातों को फिर से सख्ती से लागू किया जा रहा है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि यह कदम अस्थायी है लेकिन यदि मामलों में और वृद्धि देखी गई तो अन्य संवेदनशील कार्यक्रमों और मंत्रालयों में भी यही नियम लागू किए जा सकते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले अन्य लोगों को भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राज्यों को अलर्ट रहने के निर्देश दे चुका है।

नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल में लगी आग, सभी मरीज सुरक्षित

फिजियोथेरेपी सेंटर के बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

नोएडा।

सेक्टर-11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल में बुधवार सुबह आग लगने की एक घटना से अफरा-तफरी मच गई।

सुबह करीब 8 बजे हॉस्पिटल के बेसमेंट में बने फिजियोथेरेपी सेंटर में आग लग गई, जिसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन यूनिट मौके पर पहुंचीं और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सभी मरीज सुरक्षित हैं। गौतमबुद्धनगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आग हॉस्पिटल के मुख्य भवन से अलग बने फिजियोथेरेपी यूनिट में लगी थी, जिससे मुख्य इमारत और मरीजों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। न तो किसी मरीज को शिफ्ट करने की आवश्यकता पड़ी, न ही धुआं अस्पताल के अंदर फैला। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

आग की खबर मिलते ही थाना सेक्टर-24 पुलिस और मेट्रो हॉस्पिटल के कर्मचारी भी तुरंत सक्रिय हुए और आग को फैलने से रोकने में अहम भूमिका निभाई। फायर सर्विस यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझा दिया और स्मोक एक्सट्रैक्शन सिस्टम के जरिए धुएं को भी पूरी तरह बाहर निकाल दिया गया है। हॉस्पिटल प्रबंधन और दमकल विभाग की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल, घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और फिजियोथेरेपी सेंटर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में तेज धूप से तपने लगे मैदानी इलाके, पारा 44 डिग्री के पार

शिमला।

हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर बुधवार को मौसम साफ रहेगा। यह जानकारी मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने दी है। प्रदेश में तेज धूप रहेगी। अब एक बार फिर प्रदेश के मैदानी इलाके तपने लगे हैं। ऊना का पारा 44.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। 39 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ मंडी में भी उमस भरी गरमी महसूस की जा रही है। सीजन का सबसे ज्यादा गर्मी रिकॉर्ड बना है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश में बुधवार को मौसम साफ रहेगा। ऐसे में मैदानी इलाकों का पारा 2 से 4 डिग्री चढ़ सकता है। 12 जून के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। इस दौरान कई जिलों में हल्की बारिश रिकॉर्ड की जाएगी। फिर 13 जून को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर और लाहुल स्पीति में तेज़ हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। हालिया दिनों में प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। हालांकि तेज अंधड़ और ओलावृष्टि ने कई जगह भारी नुकसान पहुंचाते हुए किसान-बागवानों के अच्छी फसल को लेकर सपने तोड़ दिए हैं। बारिश से मौसम में ठंडक से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। कुछ ठंडक के बाद अब मौसम फिर गरम हो गया है। खासकर प्रदेश के मैदानी इलाके तपने लगे हैं। वातावरण में उमस रहने से लोग बेहाल हैं। हिमाचल प्रदेश में इस साल मानसून जून के आखिरी सप्ताह तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार मानसून सामान्य से चार फीसदी ज्यादा रहने की उम्मीद है। पिछले साल 27 जून को मानसून ने प्रदेश में दस्तक दी थी, लेकिन स्थितियां अनुकूल रहीं, तो इस साल भी करीब इसी समय मानसून की आमद होगी।

नर्मदा में गिरा कारों से भरा कंटेनर

खंडवा।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर 1 ट्रक कंटेनर सहित नर्मदा नदी में गिर गया। यह कंटेनर जब पुल से गुजर रहा था। उसी समय तेज आंधी और बारिश हो रही थी। ड्राइवर ट्रक को संतुलित नहीं रख पाया। रेलिंग तोड़ते हुए यह ट्रक और कंटेनर 100 फीट नीचे नर्मदा नदी में जा गिरे। इस हादसे में ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया है। हुंडई कंपनी की 7 कारें इसमें थी। दुर्घटना के बाद तुरंत ग्रामीण जनों ने ड्राइवर को बाहर निकाला। उसे शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जिस स्थान पर यह ट्रक और कंटेनर गिरा था। वहां पर लोग स्नान करते थे। दुर्घटना के समय वहां कोई नहीं था। नहीं तो बड़ी जन हानि हो सकती थी।

भारत का डरः कर्ज लेकर हथियार खरीद रहा पाकिस्तान, रक्षा बजट में की 18 प्रतिशत की वृद्धि!

नई दिल्ली।

रात हो या दिन पाकिस्तान को दिल और दिमाग में भारत ही बैठा हुआ है। सोते जागते उसे लगता है कि भारत ने हमला कर दिया। इस डर को दूर करने के लिए पाकिस्तान रक्षा के क्षेत्र में अपना बजट बढ़ाने जा रहा है। चर्चा है कि पाकिस्तान की सरकार अपने रक्षा बजट में 18 फीसदी का इजाफा कर सकती है। यह फैसला उसकी ओर से तब लिया जा रहा है, जबकि देश की हालत कर्ज के बोझ से पतली है। पाकिस्तान का रक्षा बजट 2,500 अरब रुपये का हो सकता है। में सोमवार को जो आर्थिक समीक्षा पेश की गई, उसके अनुसार देश पर कर्ज का बोझ तेजी से बढ़ते हुए 76,007 अरब रुपये हो गया है। यह आंकड़ा बीते 4 सालों में ही बढ़ते हुए दोगुना हो गया है। 5 साल पहले ही पाकिस्तान का कुल कर्ज 39,860 अरब रुपये था। वहीं एक दशक पहले यह 17,380 अरब रुपये था। इस तरह बीते एक दशक में ही पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ 5 गुना बढ़ गया है। पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ बाहरी होने के साथ ही घरेलू भी है। पाकिस्तान पर घरेलू कर्ज कुल 51,518 अरब रुपये है, इसके अलावा बाहरी कर्ज 24,489 अरब रुपये है। यह इजाफा पाकिस्तान की जनता के लिए चिंताजनक है, जहां बड़ी आबादी मूल सुविधाओं की किल्लत से गुजर रही है। वहां देश की सेना पर खर्च में 18 पर्सेंट का इजाफा हो सकता है। इससे देश में सेना की ताकत में और इजाफा हो जाएगा। पाकिस्तान की आर्थिक सेहत चिंता का विषय रही है। आर्थिक सर्वे में साफ किया गया है कि कर्ज का तेजी से बढ़ता बोझ देश में आर्थिक संकट बढ़ा सकता है। देश पर कर्ज के ब्याज का भी बोझ बढ़ सकता है। इसके अलावा देश की आर्थिक स्थिरता पर भी खतरा होगा। सर्वे में स्पष्ट किया गया है कि यदि ऐसे ही हालात रहे तो फिर पाकिस्तान लंबे समय में आर्थिक अस्थिरता के दौर में जा सकता है। इससे सामाजिक कल्याण की योजनाओं से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पर असर होगा। फिर भी सेना पर खर्च में इजाफे से साफ है कि पाकिस्तान की प्राथमिकता जनता के कल्याण और विकास से ज्यादा युद्धोन्माद पर है।

भारत से संबंध सुधारना चाहता है चीन, बातचीत से लिए भेज रहा अपना खास मंत्री

नई दिल्ली।

अब चीन को लगने लगा है कि भारत से बेहतर संबंध रखना उसके लिए ज्यादा जरुरी है। यही वजह से चीन अपने विशेष मंत्री को भारत भेजा रहा है।

दोनों देशों की बातचीत होगी और जहां जो भी भ्रम है उस पर खुलकर बात होगी ताकि दोस्ती को मजबूत किया जा सके। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग इस सप्ताह भारत के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा इस साल दोनों देशों के बीच होने वाला दूसरा उच्च स्तरीय संवाद होगा। इससे पहले जनवरी 2025 में भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बीजिंग का दौरा किया था, जहां दोनों पक्षों ने संबंध सामान्य करने को लेकर कई कदमों पर सहमति जताई थी। इस दौरान वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से मुलाकात कर सकते हैं और विदेश सचिव-उप मंत्री स्तर की बातचीत में हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि इसी साल के अंत तक डोभाल चीन के विशेष प्रतिनिधि व विदेश मंत्री वांग यी की मेजबानी भी कर सकते हैं। बता दें कि इससे पहले जनवरी में बीजिंग में हुई बातचीत के दौरान दोनों देशों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को 2025 की गर्मियों से फिर से शुरू करने पर सहमति जताई थी, जो कि भारत की एक प्रमुख मांग थी। इसके अलावा सीमापार नदियों पर सहयोग को लेकर भी प्रगति हुई है, हालांकि अब तक भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू नहीं किया गया है, जिस पर सैद्धांतिक सहमति पहले ही बन चुकी है। पीएम मोदी कर सकते हैं चीन की यात्रा इस सप्ताह होने वाली बातचीत में दोनों देश जनवरी में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। चर्चा में यह भी शामिल हो सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में चीन यात्रा करें। पीएम मोदी को तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन अभी उन्होंने इसमें भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। शिखर सम्मेलन से पहले विदेश मंत्रियों की बैठक भी होगी, जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर के शामिल होने की संभावना है। सुन वेइदोंग लद्दाख गतिरोध शुरू होने के समय भारत में चीन के राजदूत थे। उनका यह दौरा यह दर्शाता है कि दोनों देश इस शुरुआती समझदारी और मेल-मिलाप को आगे बढ़ाना चाहते हैं। भारत-पाकिस्तान तनाव को इससे अलग रखा जा रहा है, ताकि भारत-चीन संवाद बाधित न हो।

आपसी भरोसे पर भी चर्चा संभव

भारत की ओर से इस बैठक में व्यापार और आर्थिक संबंधों में पारदर्शिता व स्थिरता जैसे मुद्दे उठाए जा सकते हैं।

मोहलत खत्म होते ही बुलडोजर ऐक्शन का आगाज, दिल्ली में तोड़े जा रहे हैं 1200 घर

नई दिल्ली।

दिल्ली के कालकाजी स्थित करीब 12 सौ घरों को जमींदोज करने की शुरुआत हो गई है। इससे पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने लिखा, 'सुबह-सुबह 5 बजे से भूमिहीन कैम्प में भाजपा का बुलडोज़र चलना शुरू हो गया। सीएम रेखा गुप्ता जी आपने तो 3 दिन पहले कहा था कि एक भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा। तो फिर भूमिहीन कैम्प पर बुलडोज़र क्यों चल रहा है?'

दिल्ली के कालकाजी इलाके में मौजूद भूमिहीन कैंप में बड़ी संख्या में झुग्गियां हैं। यहां बहुत सी झुग्गियों को डीडीए की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाया गया है। हाई कोर्ट ने इन्हें तोड़ने की मंजूरी दी थी, जिसके बाद डीडीए की ओर से नोटिस चस्पा किया गया था। नोटिस में कहा गया था कि 10 जून तक झुग्गियों को खाली कर दिया जाए, इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू होगा।दिल्ली के कालकाजी में नोटिस की मियाद खत्म होने के बाद बुधवार सुबह-सुबह बुलडोजर ऐक्शन का आगाज हो गया। हाई कोर्ट से मिली मंजूरी के बाद कालकाजी भूमिहीन कैंप की झुग्गी बस्ती में 1200 घरों को तोड़ा जा रहा है। विरोध की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बलों के जवान भी मौजूद हैं। डीडीए की ओर से यहां तीन दिनों के भीतर झुग्गी खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया था। बुलडोजर ऐक्शन को लेकर नोटिस चिपकाए जाने के बाद यहां राजनीति तेज हो गई थी। एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यहां विरोध प्रदर्शन किया था। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को यहां हिरासत में ले लिया गया था। बुलडोजर ऐक्शन की शुरुआत के बाद आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को याद दिलाया कि उन्होंने कहा था कि मकान दिए बिना झुग्गियों को नहीं तोड़ा जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी रैपर डिडी पर एक्स-गर्लफ्रेंड से यौन हिंसा का आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर शॉन डिडी कॉम्ब्स पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड ने हिंसा और जबरन यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को अदालत में गवाही देते हुए पीड़ित ने बताया कि 2024 में एक रात कॉम्ब्स ने उनके साथ मारपीट की, गला दबाया और चेहरे पर मुक्का मारा। इसके बाद एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाकर उनके साथ जबरन 'फ्रीक-ऑफ' जैसी सेक्सुअल एक्टिविटी कराई। महिला की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। वह कोर्ट में जेन नाम से पेश हो रही है। पेशी के तीसरे दिन सोमवार को उसने बताया कि वह 18 जून 2024 की रात कॉम्ब्स के साथ रोमांटिक शाम बिताने का प्लान कर रही थी, लेकिन वह रात उसके लिए एक भयानक दिन बन गई। महिला के मुताबिक, कॉम्ब्स पर बेवफाई का आरोप लगाने के बाद वह गुस्से में आ गए। उन्होंने महिला का पीछा किया, उसे जमीन पर गिराया, दरवाजे तोड़े, चेहरे पर मुक्का मारा और गला दबाया। महिला ने बताया कि उसने भागने की कोशिश की लेकिन कॉम्ब्स ने उसे लात मारकर गिरा दिया और बाल या हाथ पकड़कर फिर से अंदर घसीटा। फिर उन्होंने एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाया, उसे एक्स्टेसी की गोली दी। इसके बाद कॉम्ब्स ने उससे, पीड़ित के साथ जबरन संबंध बनाने के लिए कहा। जब महिला ने इसका विरोध किया तो, कॉम्ब्स ने कहा कि तुम इस तरह मेरी रात खराब नहीं करोगी। कॉम्ब्स पर पहले भी यौन हिंसा के आरोप लगे हैं। नवंबर 2023 में उनकी पूर्व प्रेमिका और मशहूर सिंगर कैसी (कैसेंड्रा वेंटुरा) ने उन पर मुकदमा दायर किया था। इसमें दावा किया गया कि कॉम्ब्स ने उसे ड्रग्स के असर में हफ्तों तक फ्रीक-ऑफ सेक्सुअल सेशन में शामिल किया। कॉम्ब्स ने यह मुकदमा एक दिन में ही 2 करोड़ डॉलर में सुलझा लिया था। जेन ने कहा कि जब उसने कैसी का मुकदमा पढ़ा, तो वह तीन दिन तक रोती रही और बीमार महसूस करने लगी।

जैविक सामग्री की तस्करी के आरोप में एक और चीनी वैज्ञानिक गिरफ्तार; बीते सप्ताह भी दो लोगों को पकड़ा गया था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध जैविक सामग्री की तस्करी मामले में एक और चीनी वैज्ञानिक को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा में क्षेत्रीय प्रमुख जॉन नोवाक ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को अमेरिका पहुंचते ही डेट्रॉयट हवाई अड्डे पर चीनी वैज्ञानिक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एफबीआई ने बताया कि गिरफ्तार चीनी वैज्ञानिक वुहान में हुआझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस डिग्री हासिल कर रही हैं। उसने मिशिगन यूनिवर्सिटी में एक प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए एक साल बिताने की योजना बनाई थी। इस वैज्ञानिक पर आरोप है कि उन्होंने महीनों पहले मिशिगन विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में कर्मचारियों को जैविक सामग्री भेजी थी। एफबीआई ने मामले में अदालत में दाखिल अपने दस्तावेज में कहा है कि यह सामग्री कुछ खास किस्म के फंगस से संबंधित है। इसके लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। वहीं,जॉन नोवाक ने कहा कि शोध उद्देश्यों के लिए अमेरिका में जैविक सामग्री के आयात के दिशानिर्देश कड़े लेकिन स्पष्ट हैं। इस तरह की तस्करी से अन्य अतिथि शोधकर्ताओं के वैध कार्य को कमजोर होते हैं और उन्हें संदेह का सामना करना पड़ता है।

सिंगापुर में 1800 साल पुराने श्री सिवन मंदिर में भव्य अभिषेक समारोह, 20,000 श्रद्धालुओं हुए शामिल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में शामिल श्री सिवन मंदिर अभिषेक समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 1,800 की शताब्दी से भी पुराने इस मंदिर में 20,000 से अधिक श्रद्धालु जुटे। राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री व गृह मंत्री के. षणमुगम गेलांग ईस्ट मंदिर के नाम से मशहूर मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ शामिल हुए। वह बोले, आज का अभिषेक समारोह महत्वपूर्ण है, क्योंकि सिंगापुर में हिंदू समुदाय के दिल में इस मंदिर का विशेष स्थान है। षणमुगम ने समारोह की पट्टिका का अनावरण भी किया। सुबह 7 बजे से ही मंदिर के बाहर विशेष रूप से बनाए गए तंबुओं में पहुंचे श्रद्धालु महाकुंभाभिषेकम का बेसब्री से इंतजार करने लगे। यह मंदिर की छत पर बर्तनों से पवित्र जल डालने की प्रक्रिया है। कुंभम कहे जाने वाले पात्रों में जल भरा जाता है और लगातार सात दिन तक संस्कृत मंत्रों के जाप के माध्यम से इन्हें ऊर्जाप्रदान की जाती है। द स्ट्रेट्स टाइम्स के मुताबिक, हिंदू बंदोबस्ती बोर्ड ने कहा कि मंदिर में 26 जुलाई तक 48 दिन प्रार्थना, अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका हिंसा-ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस 2000 नेशनल गार्ड्स और भेजे : अब कुल 4000 की तैनाती

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में 4 दिनों से जारी हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। इस प्रदर्शन को काबू करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने 2000 नेशनल गार्ड्स और तैनात करने का फैसला किया है, जिससे इनकी कुल संख्या 4000 हो जाएगी। इसके अलावा 700 मरीन कमांडो भी तैनात करने का फैसला किया है। यह नेशनल गार्ड के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। ये मरीन जवान दक्षिण कैलिफोर्निया के ट्वेंटी नाइन पाम्स बेस से आ रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती अगले कुछ घंटों में हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में फैली हिंसा और तोड़फोड़ के बाद वहां तैनात किए गए नेशनल गार्ड के जवानों की तारीफ भी की। ये जवान आमतौर पर राज्य के गवर्नरों के आदेश पर बुलाए जाते हैं, लेकिन इस बार ट्रम्प ने खुद उनकी तैनाती कर दी।

ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गर्वनर की गिरफ्तारी का समर्थन किया : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को गिरफ्तार किया जाए, तो यह अच्छा कदम होगा। गेविन लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके खिलाफ राज्य सरकार ट्रम्प पर केस करेगी। ट्रम्प ने कहा, ÷न्यूसम ने बहुत खराब काम किया है। उनका सबसे बड़ा जुर्म है कि वो फिर से गवर्नर बनना चाहते हैं।÷ उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्यूसम पसंद हैं, लेकिन कामकाज में कमजोर लगते हैं।

ट्रम्प के सहयोगी और बॉर्डर अधिकारी टॉम होमन ने पहले कहा था कि अगर कोई सरकारी अधिकारी फेडरल कानून में रुकावट डालेगा तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। हालांकि बाद में उन्होंने साफ किया कि न्यूसम की गिरफ्तारी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए : भारतीय समयानुसार सोमवार को हुए प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आदेश दिया है कि जो लोग प्रदर्शन के दौरान मास्क पहन रहे हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शनकारी मास्क पहनकर सड़कों पर उतर रहे हैं ताकि वे सुरक्षा कैमरों से बच सकें। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध अप्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई रिपोर्टर को गोली लगी : विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रही ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार लॉरेन टोमासी पर पुलिस ने रबर बुलेट फायर कर दी। यह घटना रविवार को उस समय हुई जब नाइन न्यूज की पत्रकार लॉरेन टोमासी लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। वायरल हुए वीडियो में दिखा कि रबर बुलेट उनकी टांग में लगी लॉरेन ने कहा- कई घंटों की तनातनी के बाद स्थिति अब तेजी से बिगड़ गई है। लॉस एंजिलिस पुलिस घोड़ों पर सवार होकर प्रदर्शनकारियों पर रबर बुलेट दाग रही है और उन्हें शहर के सेंटर से हटा रही है।÷ इस दौरान पीछे से एक पुलिस अधिकारी की आवाज आई, जो कह रहा था कि तुमने अभी पत्रकार को गोली मारी। किसी ने लॉरेन से पूछा कि क्या वह ठीक हैं, तो उन्होंने जवाब दिया- मैं ठीक हूं।

लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड तैनात किए : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य में नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।

अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रंप के जन्मदिन पर होगी सैन्य परेड, किए जा रहे कड़े सुरक्षा इंतजाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शनिवार को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन मनाने की तैयारी हो रही है। इस मौके पर सैन्य परेड होगी। इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। 18 मील इलाके में फेंसिंग की गई हैं। जबकि 175 मैग्नेटोमीटर लगाए गए हैं। सीक्रेट सर्विस के वॉशिंगटन फील्ड ऑफिस के मैट मैककूल ने कहा कि हम भारी भीड़ के लिए तैयारी कर रहे हैं। 18 मील से अधिक एंटी-स्केल फेंसिंग लगाई जाएगी। जबकि कई ड्रोन हवा में होंगे। कोलंबिया का पूरा जिला आमतौर पर ड्रोन के लिए नो-फ्लाई जोन होगा। सीक्रेट सर्विस के वॉशिंगटन फील्ड ऑफिस के मैट मैककूल ने कहा कि हम भारी भीड़ के लिए तैयारी कर रहे हैं। 18 मील से अधिक एंटी-स्केल फेंसिंग लगाई जाएगी। जबकि कई ड्रोन हवा में होंगे। कोलंबिया का पूरा जिला आमतौर पर ड्रोन के लिए नो-फ्लाई जोन होगा। सेना के अधिकारियों का अनुमान है कि शाम की सैन्य परेड में लगभग दो लाख लोग शामिल होंगे। मैककूल ने कहा कि हम लाखों लोगों के लिए तैयार हैं। हमारे पास एक टन मैग्नेटोमीटर है। अगर दस लाख लोग आते हैं, तो हमें कुछ लाइनें लगानी पड़ेंगी।

दिन में मनेगा जन्मदिन, रात में होगी परेड : कार्यक्रम के दौरान दिन में ट्रंप का जन्मदिन समारोह मनाया जाएगा। जबकि रात के वक्त सैन्य परेड होगी। इसके लिए सुरक्षा चौकियों पर 175 मैग्नेटोमीटर लगाए जाएंगे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग की प्रमुख पामेला स्मिथ ने कार्यक्रम को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि लोग कार्यक्रम में समय से पहले आएं। साथ ही कारों की जगह मेट्रो से पहुंचें। उन्होंने कहा कि यह बड़ा आयोजन है। हम जनता पर भरोसा कर रहे हैं कि वे हमारे लिए अतिरिक्त कान और आंखें बनेंगे।

सेना की वर्षगांठ के जश्न की योजना महीनों पहले से ही बनाई जा रही थी। लेकिन ट्रंप ने इस कार्यक्रम को बदल दिया था। वे 79वें जन्मदिन पर कार्यक्रम कराना चाह रहे थे। उन्होंने 60 टन के एम1 अब्राम युद्धक टैंकों और पैलाडिन स्व-चालित हॉवित्जर के साथ शहर की सड़कों पर घूमते हुए एक विशाल सैन्य परेड का एलान किया गया था।

रूस बनाएगा ईरान में आठ न्यूक्लियर प्लांट

तेहरान , एजेंसी। ईरान के एटॉमिक चीफ ने घोषणा की है कि रूस दोनों देशों के बीच पहले से हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत ईरान में आठ न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य तेहरान में एईओआई हेडक्वार्टर के दौरे पर पहुंचे, जहां ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गेनाइजेशन (एईओआई) के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लामी ने इस बारे में जानकारी दी। मोहम्मद इस्लामी ने बताया कि आठ न्यूक्लियर रिएक्टर में से चार बुशहर के दक्षिणी प्रांत में बनाए जाएंगे। मोहम्मद इस्लामी ने मौजूदा बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट में यूनिट-2 और यूनिट-3 के चल रहे निर्माण पर सांसदों को जानकारी दी। इन यूनिट्स का निर्माण ईरानी कंपनियां कर रही हैं। पत्रकारों से बात करते हुए इस्लामी ने बताया कि एईओआई की योजना देश की व्यापक ऊर्जा विकास रणनीति के हिस्से के रूप में ईरान की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता को तीन गुना करना है। बुशहर प्लांट का निर्माण मई 2011 में रूस ने किया था, जो ईरान की पहली और एकमात्र चालू परमाणु ऊर्जा सुविधा है। ये देश के सिविलियन न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम का केंद्र रहा है।

पाकिस्तानियों को कुवैत ने दिया तोहफा, 19 साल बाद हटाया वीजा बैन, हजारों को नौकरी मिलने का रास्ता साफ

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत ने 2011 में पाकिस्तान सहित कई देशों पर वीजा बैन लगा दिया था। इसका कारण क्षेत्रीय अस्थिरता, आतंकवाद और सुरक्षा चिंताएं थीं। पाकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, सीरिया और यमन जैसे देशों के नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया पूरी तरह से रोक दी गई थी। कुवैत सरकार का कहना था कि इन देशों से आने वाले प्रवासी मजदूरों और स्थानीय नागरिकों के बीच सामाजिक तनाव और सुरक्षा को खतरा था, जिस कारण यह प्रतिबंध लगाया गया था।

अब वीजा बैन हटा, पाक नागरिकों को राहत : अब कुवैत सरकार ने एक नई शुरुआत करते हुए यह वीजा प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इस फैसले से पाकिस्तान के लाखों नागरिकों के लिए रोजगार, शिक्षा और व्यापार के नए अवसर खुल गए हैं। अब पाकिस्तानी नागरिक कुवैत के लिए वर्क वीजा, फैमिली विजिट वीजा, बिजनेस वीजा और टूरिस्ट वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। कुवैत सरकार का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वहां का हेल्थ और कंस्ट्रक्शन सेक्टर दक्ष श्रमिकों की भारी मांग से जूझ रहा है। खासतौर पर हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए कुवैत ने 1200 पाकिस्तानी नर्सों की भर्ती की योजना बनाई है। इसके लिए वीजा प्रक्रिया को सरल और तेज किया गया है।

आईटी, निर्माण और जनरल लेबर सेक्टर में नौकरियां उपलब्ध : रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुवैत की सरकार आईटी, जनरल लेबर, निर्माण, और मेडिकल जैसे सेक्टर्स में विदेशी कामगारों को प्राथमिकता दे रही है। पाकिस्तानी वर्कर्स को अब कुवैत में वैध रोजगार पाने का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके साथ ही कुवैत सरकार इन क्षेत्रों में कुशल और अर्ध-कुशल कामगारों की नियुक्ति पर ज़ोर दे रही है। पाकिस्तान के लिए आर्थिक संकट के बीच राहत पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय गंभीर संकट से गुजर रही है। देश में डॉलर की भारी कमी, बेरोजगारी, और बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। आईएमएफ के साथ कर्ज पैकेज की बातचीत अभी भी जारी है। ऐसे में कुवैत द्वारा वीजा बैन हटाना पाकिस्तान के लिए आर्थिक राहत की किरण के रूप में देखा जा रहा है। कुवैत में काम करने वाले पाकिस्तानी नागरिक अपने परिवारों को विदेशी मुद्रा (डॉलर) के रूप में रेमिटेंस भेजते हैं, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलती है। इसलिए वीजा बहाली को पाकिस्तानी सरकार के लिए एक कूटनीतिक और आर्थिक सफलता माना जा रहा है। द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम वीजा बैन हटाने का फैसला सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं है, बल्कि इसे कुवैत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

बांग्लादेश के ढाका में प्रदर्शन पर रोक : यूनुस के सरकारी आवास-सचिवालय के आसपास का एरिया सील

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। विपक्षी दलों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सेना के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी के केंद्र में सभी रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, ढाका पुलिस ने मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास 'जमुना गेस्ट हाउस' और बांग्लादेश सचिवालय के आसपास के एरिया को पूरी तरह सील कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है। जब सचिवालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के एक अध्यादेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। डीएमपी कमिश्नर एसएम सज्जात अली ने बताया कि यह प्रतिबंध, सार्वजनिक व्यवस्था और चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इससे पहले 10 मई को भी सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) और पुलिस की एसडब्ल्यूएटी टीमों को सरकारी इमारतों की सुरक्षा में लगाया था। ईद के बाद फिर भड़क सकते हैं प्रदर्शन फिलहाल ईद की छुट्टियों के कारण विरोध थोड़े समय के लिए थम गया है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों ने 15 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर देशभर के सरकारी दफ्तरों में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी एकता मंच के सह-अध्यक्ष नुरुल इस्लाम ने कहा कि आंदोलन और उग्र होगा। सेना और बीएनपी भी नाराज, शिक्षकों हड़ताल पर अगस्त 2024 से सत्ता में आई मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को पहले ही विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावी समयसीमा तय करने की मांग को लेकर घेर रही है। सेना प्रमुख वाकर-उज-जमान भी दिसंबर 2025 तक चुनाव करवाने की सलाह दे चुके हैं। वहीं यूनुस ने अप्रैल 2026 में चुनाव कराने का संकेत दिया है, जिससे उनकी सत्ता में बने रहने की मंशा पर संदेह गहराया है।

अमेरिकी एयरपोर्ट में भारतीय छात्र से बदसलूकी, सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के एक छात्र से बदसलूकी के मामले में दूतावास का बयान आया है। एक वीडियो और तस्वीरों में दिखा था कि भारतीय छात्र को न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोग भड़के हुए थे। भारतीय छात्र के साथ अपराधियों जैसे बर्ताव का यह वीडियो मौके पर मौजूद और भारतीय-अमेरिकी कारोबारी कुणाल जैन ने बनाया था। अब इस मामले में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास का बयान आया है। दूतावास ने ट्वीट किया, हमने सोशल मीडिया पर ऐसी कई पोस्ट देखी हैं। इनमें दावा किया गया है कि एक भारतीय को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परेशानी झेलनी पड़ी। हम स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए कौंसुलेट तत्पर है। छात्र के वायरल वीडियो में दिखता है कि उसे दो अधिकारियों ने पकड़ रखा है और पेट के बल लिटा रखा है। वहीं दो अन्य अधिकारी उसके हाथों और पैरों को बांध देते हैं। इस दौरान भारतीय छात्र मदद की अपील करता सुनाई देता है। छात्र को अमेरिकी प्रशासन ने अवैध रूप से देश में आने के आरोप में पकड़ा था और उसे भारत वापस भेज दिया गया। कुणाल जैन ने एक्स पर लिखा, 'मैंने देखा कि एक युवा भारतीय छात्र को नेवार्क एयरपोर्ट से डिपोर्ट किया जा रहा है। बीती रात ऐसा हुआ। उसके हाथ बंध थे। उसके साथ अपराधियों जैसा सलूक हुआ। वह सपने देख रहा था, उन्हें पूरा करने आया था। उसका इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। एक एनआरआई के तौर पर मैं असहाय था और उसकी कोई मदद नहीं कर सका। यह दिल तोड़ने वाला है और मानवीय आपदा जैसा है।' कुणाल जैन ने अमेरिका में भारतीय दूतावास से भी अपील की थी कि वह इस मामले की जांच करे और छात्र को जरूरी मदद की जाए। बता दें कि अमेरिका में बड़े पैमाने पर विदेशी छात्रों और कर्मचारियों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं।

इस्राइल में सरकार पर संकट : क्या पीएम नेतन्याहू की सत्ता खतरे में? अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून ने बढ़ाई परेशानी

येरूशलम, एजेंसी। हमास के साथ युद्ध के बीच इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू सरकार संकट में फंस गई है। अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून लागू करने के चलते उनके गठबंधन के सहयोगियों ने सरकार का साथ छोड़ने का एलान किया है। इस्राइल में बुधवार को संसद भंग करने के लिए मतदान हुआ। विपक्ष का कहना है कि अगर गठबंधन के साझेदार सरकार से नाता तोड़ लेंगे तो संसद भंग हो जाएगी। अभी यह साफ नहीं है कि कौन-कौन सहयोगी सरकार का साथ देंगे।

क्या है कानून : इस्राइल में अब तक यहूदी पुरुषों को लगभग तीन साल की सैन्य सेवा करनी होती है। इसके बाद कई साल रिजर्व ड्यूटी करनी होती है। वहीं यहूदी महिलाओं को दो वर्ष अनिवार्य सेवा करनी होती है। जबकि इस्राइल में राजनीतिक रूप से सशक्त अति-रूढ़िवादी समुदाय को इससे छूट थी। यह समुदाय धार्मिक कार्य संभालता है और इसके युवाओं को 26 साल की उम्र तक सरकार वजीफा देती है। अब इस्राइल की सरकार ने अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून के तहत इस समुदाय के लोगों को भी सेना में काम करना अनिवार्य कर दिया। इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने भी 2017 में अति रूढ़िवादी को सैन्य सेवा से मिलने वाली छूट को अवैध करार दिया था।

इसलिए लागू किया जा रहा कानून : सैन्य सेवा में अति रूढ़िवादियों को शामिल करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि हमास के हमले के बाद से सैनिकों की बड़ी जरूरत महसूस हुई है। इस्राइल ने 360,000 रिजर्व सैनिकों को सक्रिय किया है। हालात यह हैं कि कई रिजर्व सैनिकों ने गाजा में सैकड़ों दिनों की कई बार ड्यूटी की है। कुछ रिजर्व सैनिक नए बुलावे को अस्वीकार कर रहे हैं। रिजर्व ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने वाले इस्राइलियों की संख्या इतनी कम हो गई है कि सेना ने सेवा जारी रखने के लिए लोगों को भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

अति-रूढ़िवादी पार्टियों का रुख क्या : नेतन्याहू सरकार के कानून लागू करने की तैयारी और सरकार गिराने के लिए विपक्ष ने आह्वान किया है कि अगर सरकार में शामिल अति-रूढ़िवादी साझेदार अपने समुदाय को सैन्य सेवा से छूट देने वाला कानून पारित करने में विफल रहते हैं तो उनके साथ नाता तोड़ लेंगे। नेतन्याहू के लिए हरेदीम या हिब्रू में दो पार्टियां बेहद जरूरी हैं। दोनों को सरकार को भंग करने के लिए मतदान करना होगा।

इसमें नेतन्याहू की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी शास भी शामिल है। शास के प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी वर्तमान में विघटन के पक्ष में मतदान करने की योजना बना रही है। जब तक कि वार्ता में कोई सफलता नहीं मिलती। दूसरी पार्टी डेगेल हाटोरा भी पिछले सप्ताह से सरकार छोड़ने की धमकी दे रही है। धर्म और राज्य मामलों के विशेषज्ञ शुकी फ्राइडमैन ने कहा कि हाटोरा युद्ध और राज्य की आर्थिक स्थिति और किसी भी अन्य चीज की परवाह नहीं करते हैं, लेकिन उनके सांप्रदायिक हित हैं। इस सांप्रदायिक हित का ध्यान सेना में सेवा करने से छूट प्राप्त करना है। हालांकि माना जा रहा है कि पीएम नेतन्याहू सरकार को बचाने के लिए कोई समझौता कर सकते हैं। अगर इस्राइल की संसद भंग हो जाती है तो सरकार को कई प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। हिब्रू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर गायिल तलशीर ने कहा कि यदि संसद भंग हो जाती है तो भी सरकार को अतिरिक्त मतदान सहित नौकरशाही की कई प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ेगा। यह एक बंदूक की तरह होगा जिसे स्थिति में रखा गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंजीनियर पर जानलेवा हमला

तीन नाबालिगों की गिरफ्तारी
आंख के स्क्लेरा और कॉर्निया हिस्से पर आए 20 टांके, दृष्टि गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 7 जून, 2025 को ओवरटेक करने के मामले को लेकर हुए झगड़े में चेन्नई निवासी इंजीनियर व्रजकुमार कल्पेशभाई पटेल (उम्र 25 वर्ष) पर जानलेवा हमला किया गया था। इस हमले में उनकी दाहिनी आंख की दृष्टि हमेशा के लिए चली गई है। पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं।

तीनों नाबालिगों ने मामूली बात पर इंजीनियर पर जानलेवा हमला किया।

इस हमले में शामिल तीनों आरोपी नाबालिग हैं। इनकी गिरफ्तारी पाल पुलिस द्वारा की गई है। पहले नाबालिग ने 10वीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। दूसरे ने 10वीं पास करने के बाद जिम ट्रेनिंग का कोर्स किया है। तीसरा नाबालिग 12वीं में फेल हो गया था। तीनों एक मॉपेड पर ट्रिपल सवारी कर रहे थे और मामूली बात को लेकर इंजीनियर पर जानलेवा हमला कर दिया।

एक नाबालिग के पिता सूरत महानगर पालिका के पूर्व कर्मचारी हैं, दूसरे के पिता अफ्रीका में रहते हैं, जबकि तीसरे के पिता शिपिंग कंपनी में नौकरी करते हैं।

हमले के बाद तीनों नाबालिग आरोपी पास की एक होटल में चाय पीने चले गए। मूल रूप से सूरत निवासी व्रजकुमार पटेल चेन्नई स्थित एक सेल कंपनी में एसोसिएट इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं। वे 3 जून को अपने वतन सूरत, रांदेर आए थे। 7 जून की रात लगभग सवा नौ बजे वे अपनी मोपेड से मोनार्क सर्कल पर अपने मामा के बेटे जय पटेल से मिलने जा रहे थे। गोगा चौक सर्कल से गुजरते वक्त, एक मोपेड पर तीन सवारी कर रहे तीन नाबालिगों ने उनकी गाड़ी को कट मारकर ओवरटेक किया।

यह देखकर व्रजकुमार ने उन्हें कहा, च्भाई, गाड़ी देखकर चलाओज्, तो आरोपी भड़क उठे। चलती मोपेड पर ही वे व्रजकुमार को जोर-जोर से गालियां देने लगे और उनकी गाड़ी रोकने को कहा। व्रजकुमार ने अपनी गाड़ी नहीं रोकी और आगे बढ़ते रहे, तब तीनों नाबालिगों ने उनका पीछा किया। पालनपुर नहर रोड पर जालाराम मंदिर के पास सार्वजनिक सड़क पर उन्होंने व्रजकुमार की मोपेड को ओवरटेक कर जबरन रुकवाया। ट्रिपल सीट मोपेड से उतरे तीनों नाबालिगों में से एक (जिसके बाल लंबे थे और जिसने नीली टी-शर्ट व काली पैंट पहनी थी) व्रजकुमार के पास दौड़ता हुआ आया। उसने अपनी मुट्ठी में रखी किसी अज्ञात वस्तु से व्रजकुमार की दाहिनी आंख पर जोर से मुक्का मारा। इस भयावह हमले के बाद उसने व्रजकुमार को लात मारकर नीचे गिरा दिया। व्रजकुमार ज़मीन पर गिर गए, तब भी वह युवक और उसके दो साथी लगातार उनके सिर और पीठ पर लातों और घूंसे से बेरहमी से मारते रहे।

इस दौरान वे गालियां देते रहे और धमकी दी: "आज तो तुझे छोड़ रहे हैं, लेकिन अगली बार नजर आया तो जान से मार देंगे।"

हमले के कारण व्रजकुमार की आंख और मुंह से खून निकलने लगा था। आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, जिससे तीनों नाबालिग हमलावर अपनी मोपेड लेकर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने व्रजकुमार को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, वहां आंखों के डॉक्टर मौजूद नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपने भाई जय को फोन करके बुलाया। जय उन्हें बाप्स अस्पताल ले गया, लेकिन वहां भी आंखों के डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे, अंत में उन्हें मोरा भागल स्थित मीराया अस्पताल में शिफ्ट किया गया। मीराया अस्पताल में डॉक्टरों ने व्रजकुमार की आंख की गहन जांच की और तुरंत इलाज शुरू किया। उनकी आंख में गंभीर चोट होने के कारण डॉक्टरों को तुरंत ऑपरेशन करना पड़ा। ऑपरेशन के दौरान उनकी आंख के स्क्लेरा और कॉर्निया भाग में करीब 20 टांके लगाए गए। डॉक्टरों ने बताया कि इस हमले के कारण उनकी दाहिनी आंख की देखने की क्षमता लगभग समाप्त हो गई है। फिलहाल उनका इलाज जारी है और वे होश में हैं।

ठगी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

कपड़ा व्यापारी के साथ 23.55 लाख की ठगी करने वाला हेमंत परवानी अहमदाबाद से पकड़ा गया

कुल दो आरोपी जेल भेजे गए, तीन अब भी फरार।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सारोली इलाके में कपड़ा व्यापारी के साथ 23.55 लाख रुपये से अधिक की ठगी

के मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने अहमदाबाद से मुख्य आरोपियों में से एक हेमंत अशोककुमार परवानी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले दलाल समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अन्य तीन आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

क्या था मामला?

इस मामले की शिकायत अरविंद मांगीलाल सिंघवी ने दर्ज कराई थी, जो च्अरविंद फैब्रिक्सज् के प्रोप्राइटर हैं और सारोली में कपड़े का व्यापार करते हैं। शिकायत के अनुसार कुछ व्यापारियों ने दलाल हितेशभाई खानवानी (जो "हीर टेक्सटाइल्स एजेंसी" के मालिक हैं) के माध्यम से उनसे संपर्क किया था। इन व्यापारियों ने अरविंदभाई को लुभावनी बातें करके भरोसे में लिया और उनके साथ व्यापार शुरू किया।

आरोपियों ने एक-दूसरे की मदद से की ठगी

ठगी करने वाले व्यापारी हैं-

(1) आकाश (प्रोप्राइटर, "R2 टेक्सटाइल"),

(2) महेशकुमार टीकचंद गंगवानी (प्रोप्राइटर, "मा आशापुरा ट्रेडर्स"),

(3) हेमंत अशोककुमार परवानी (प्रोप्राइटर, "हीना फैशन"), और

(4) अमित गुरानी (प्रोप्राइटर, "सी.एम. एंटरप्राइज़")।

इन सभी आरोपियों ने मिलकर और एक-दूसरे की मदद से ठगी की वारदात को अंजाम दिया था।

औद्योगिक क्षेत्र में युवक का संदिग्ध हालात में मिला शव, हत्या या आत्महत्या? जांच शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के इंडस्ट्रियल इलाके में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत आत्महत्या है या किसी ने उसकी हत्या की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी एंगल से मामले की पड़ताल की जा रही है।

सूरत के उधना इलाके में आज सुबह संदिग्ध हालत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रियल इलाके के खुले मैदान में, दक्षिणेश्वर मंदिर के सामने यह शव दिखाई दिया। शव मिलने की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का।

मिली जानकारी के अनुसार, शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने तुरंत उधना पुलिस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंचकर उधना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। यह हत्या है, आत्महत्या है या फिर किसी चिकित्सीय कारण से मौत हुई है—इसको लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के असली कारण का पता चल पाएगा। फिलहाल उधना पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मौत (ए.डी.) के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मृतक की पहचान करने के साथ-साथ आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

वापी में फायर सेफ्टी के बिना बिल्डिंग्स को दिया जा रहा कब्जा नियमों की हो रही अनदेखी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी महानगरपालिका की सीमा में हाल ही में शामिल किए गए 11 गांवों में से एक गांव में बड़े पैमाने पर आवासीय इमारतों का निर्माण जोरों पर है। यहां कुछ बहुमंजिला इमारतें बिना फायर सेफ्टी सुविधाओं के ही पूरी कर दी गई हैं और बिल्डरों द्वारा फ्लैट का कब्जा ग्राहकों को सौंपा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, उक्त क्षेत्र में कई बिल्डिंग प्रोजेक्ट्स पूरे हो चुके हैं और कुछ बिल्डरों ने तो फ्लैट का कब्जा भी ग्राहकों को दे दिया है। एक बिल्डिंग में 60 और दो अन्य में 40-40 फ्लैट्स बनाए गए हैं। हैरानी की बात यह है कि इन सभी इमारतों को न तो फायर विभाग की मंजूरी मिली है और न ही इमरजेंसी एग्जिट डोर जैसे जरूरी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है।

नियमों के मुताबिक यदि किसी बिल्डिंग की ऊंचाई भूतल से 15 मीटर या उससे अधिक है, तो उसमें फायर सेफ्टी उपकरण लगाना अनिवार्य होता है। बावजूद इसके नियमों को ताक पर रखकर बिल्डर फ्लैट्स बेच रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि ऐसे प्रोजेक्ट्स को महानगरपालिका ने कंप्लीशन सर्टिफिकेट आखिर कैसे दे दिया? इसके साथ ही यह भी सामने आया है कि यहां ग्राहकों से 1-2त्न के स्थान पर सीधा 5त्न तक का अफोर्डेबल हाउसिंग टैक्स वसूला जा रहा है, जो नियम विरुद्ध है।

इस मामले में अब जरूरत है कि मनपा का फायर विभाग त्वरित जांच करे और सुरक्षा नियमों की अवहेलना करने वाले बिल्डरों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा भविष्य में किसी भी अग्निकांड जैसी दुर्घटना में जानमाल की बड़ी हानि से इनकार नहीं किया जा सकता।

सूरत में सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए

नगर निगम द्वारा एसओपी (Standard Operating Procedure) लागू करने की तैयारी की जा रही है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इस दिशा में पहला कदम उठाते हुए नगर निगम ने भीड़ एकत्रित होने वाले 7,600 से अधिक स्थलों की पहचान कर उन्हें अलग-अलग चिन्हित किया है। इन स्थलों में दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड सेंटर, और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल हैं, जहां अक्सर भीड़भाड़ रहती है और हादसे की संभावना बनी रहती है।

SOP के अमल से इन जगहों पर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि भीड़ नियंत्रित की जा सके और दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

राजकोट के टीआरपी गेम ज़ोन हादसे के बाद गुजरात सरकार ने यह निर्देश दिया था कि जहां कहीं भी 50 या उससे अधिक लोग एकत्रित होते हैं, ऐसी सभी संपत्तियों की पहचान कर उनके लिए एक विशेष एसओपी (Standard Operating Procedure) तैयार की जाए।

इस निर्देश के पालन में सूरत नगर निगम ने एसओपी तैयार कर ली है और इसके लिए सर्वेक्षण का कार्य भी लगभग पूरा कर लिया गया है। यह सर्वेक्षण अब अंतिम चरण में है। सूरत नगर निगम ने शहर में ऐसी लगभग 7600 संपत्तियों की पहचान कर उन्हें अलग से चिह्नित कर लिया है, जहाँ 50 या अधिक लोग इकट्ठा होते हैं।

अब इन संपत्तियों के मालिकों से निगम द्वारा तैयार की गई एसओपी पर लिखित रूप में जिम्मेदारी (बाहेधारी) लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नगर निगम की इस एसओपी के लागू होने के बाद यदि भविष्य में किसी स्थान पर कोई दुर्घटना होती है, तो न केवल संपत्ति मालिक बल्कि उस स्थल का निरीक्षण करने वाले कर्मचारी भी जिम्मेदार माने जा सकते हैं।

राजकोट गेम ज़ोन दुर्घटना के बाद राज्य सरकार ने एक गाइडलाइन जारी की थी, जिसमें यह निर्देश दिया गया था कि जहां 50 या उससे अधिक लोग इकट्ठा होते हों, ऐसे सभी प्रकार के स्थानों के लिए SOP (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज़र) तैयार करना अनिवार्य होगा। इस निर्देश के तहत सूरत नगर निगम ने टेक्सटाइल मार्केट, डायमंड यूनिट समेत कुल नौ अलग-अलग श्रेणियाँ तय कर SOP तैयार कर ली है। अब इस SOP के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित जोन कार्यालयों को सौंपी जाएगी।

SOP बनाने से पहले सूरत नगर निगम ने प्रत्येक जोन में एक सर्वेक्षण कराया था। इस सर्वे में 7642 ऐसी संपत्तियों की पहचान की गई, जहाँ 50 या उससे अधिक लोग एकत्रित होते हैं। यह सर्वेक्षण कार्य अभी चल रहा है और आने वाले कुछ दिनों में इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

नगर निगम की नई SOP के अनुसार, अब इन संपत्तियों के मालिकों को तय की गई समय सीमा के अनुसार वर्ष में एक या दो बार लिखित रूप में नगर निगम को जिम्मेदारी का शपथ-पत्र (बाहेधारी) देना होगा। इस शपथ-पत्र में यह स्पष्ट करना होगा कि निर्माण कार्य नियोजित प्लान के अनुसार हुआ है, और क्च (बिल्डिंग यूसेज) परमिशन के बाद कोई नया निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

सूरत में निर्माण व्यवसाय में तेजी

नगर निगम की FSI से होने वाली आय चार वर्षों में दोगुनी हो गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में निर्माण क्षेत्र में मंदी की लगातार शिकायतें हो रही हैं, लेकिन सूरत नगर निगम के पेड FSI (फ्लोर स्पेस इंडेक्स) के आंकड़े इस मंदी की बात को गलत साबित कर रहे हैं। पेड स्नस्ढ्ढ से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में इस मद में होने वाली आय दोगुनी हो गई है। अगर वास्तव में मंदी होती, तो इस आय में कमी आनी चाहिए थी, लेकिन आय के दोगुनी हो जाने से यह स्पष्ट है कि रियल एस्टेट में मंदी की बात निराधार है।

सूरत शहर में अक्सर कहा जाता है कि रियल एस्टेट में तेजी की हवा निकल गई है और मंदी का दौर चल रहा है, लेकिन नगर निगम क्षेत्र में जो निर्माण कार्य हो रहे हैं, उनमें अतिरिक्त पेड स्नस्ढ्ढ से होने वाली आय लगातार बढ़ रही है।

अगर पेड स्नस्ढ्ढ के आंकड़ों पर नजर डालें तो:

वर्ष 2021-22 में यह आय 513.34 करोड़ थी,

2022-23 में 625.32 करोड़,

2023-24 में 1,019.60 करोड़,

और 2024-25 में यह बढ़कर 1,102.04 करोड़ हो गई।

चालू वित्तीय वर्ष के पहले दो महीनों में ही 224 करोड़ की आय हो चुकी है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष के अंत तक पिछले साल का 1,102.04 करोड़ का आंकड़ा पार हो सकता है।

नगर निगम के ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि शहर में निर्माण क्षेत्र में तेजी बनी हुई है। ऑक्ट्रॉय हटने के बाद सूरत नगर निगम का विकास विभिन्न करों और अनुदानों पर निर्भर हो गया है, ऐसे में पेड स्नस्ढ्ढ निगम के लिए एक महत्वपूर्ण आय स्रोत बन गया है।

सूरत शहर का विकास लगातार आगे बढ़ता रहे, इसके लिए 1 अप्रैल से 31 मई के बीच सूरत नगर निगम के केंद्रीय विकास विभाग ने कुल 144 निर्माण फाइलों को सैद्धांतिक मंजूरी दी है, यानी कि लगभग 250 करोड़ के निर्माण कार्यों को अनुमति प्रदान की गई है।

जिस कारण इस अवधि में ही सूरत नगर निगम के खजाने में पेड स्नस्ढ्ढ के रूप में 224 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं। इसके अलावा शहरी विकास विभाग द्वारा प्लॉट वैलिडेशन की 423 फाइलों को मंजूरी दी गई है और 61 निर्माण कार्यों को क्च (बिल्डिंग यूज़) सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि सूरत में रियल एस्टेट में मंदी की जो बातें की जा रही थीं, वह अब पूरी तरह गलत साबित हो रही हैं, और नगर निगम के आंकड़े बताते हैं कि अब निर्माण क्षेत्र में तेजी का माहौल है।

पत्रकार परिषद

वलसाड़ में "संकल्प से सिद्धि" कार्यक्रम के तहत आयोजित मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियाँ साझा की गईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड़,देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज वलसाड़ सर्किट हाउस में "संकल्प से सिद्धि" कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी गुजरात प्रदेश के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता वलसाड़ जिला भाजपा अध्यक्ष श्री हेमंतभाई कंसारा ने की। कार्यक्रम में गुजरात राज्य के वित्त, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के कैबिनेट मंत्री आदरणीय श्री कनुभाई देसाई तथा वलसाड़-डांग लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री धवलभाई पटेल की विशेष उपस्थिति रही।

मंच से मंत्री श्री कनुभाई देसाई ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा सुशासन की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने देश को विकास की नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया।

सांसद श्री धवलभाई पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्णयों, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि यह 11 वर्षों की यात्रा विकसित भारत के अमृतकाल की मजबूत नींव है।

इस अवसर पर वलसाड़ जिला भाजपा महामंत्रीगण श्री शिल्पेशभाई देसाई, श्री कमलेशभाई पटेल, डांग जिला भाजपा अध्यक्ष श्री किशोरभाई गामीत, वलसाड़ विधायक श्री भरतभाई पटेल, कपराडा विधायक श्री जीतूभाई चौधरी, धरमपुर विधायक श्री अरविंदभाई पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री जितेशभाई पटेल, जिला मीडिया प्रभारी श्री दिव्येश कैलाशनाथ पांडे, सोशल मीडिया प्रभारी श्री हितेशभाई सुरती और जिला IT प्रभारी श्री ध्रुवीनभाई पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं और उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में "विकसित भारत के निर्माण में सहभागिता" का संकल्प दोहराया।